सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 334 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 17 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### झीरम नक्सली हमले के 10 दोषियों को फांसी की सजा

**जगदलपुर।** 2013 में झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं समेत 29 लोगों की हत्या के मामले में जगदलपुर NIA कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। इनमें 2 महिला और 8 पुरुष शामिल हैं। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इस हमले में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 27 लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल चली सुनवाई में 101 गवाहों के बयान और दस्तावेज दर्ज किए गए। यह सजा हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही लागू होगी। तब तक सभी दोषी केंद्रीय जेल जगदलपुर में रहेंगे। 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं।

### पेंड्रा-रतनपुर मार्ग पर कोयला ट्रेलरों की जोरदार भिड़ंत

**जीपीएम।** जिले में पेंड्रा-रतनपुर मार्ग पर अमरपुर गांव के पास बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 12:30 बजे कोयले से लदे दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों भारी वाहन सड़क पर क्षतिग्रस्त होकर खड़े हो गए, जिससे मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। जानकारी के अनुसार दोनों ट्रेलर कोयला लेकर पेंड्रा-रतनपुर मार्ग से गुजर रहे थे कि अमरपुर के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। घायल चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद देर रात से ही मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई।

# छत्तीसगढ़ में योग को बढ़ावा देने लोगों तक पहुंचाएं योग की गतिविधियां : मंत्री जायसवाल

■ **छत्तीसगढ़ योग आयोग की छठी साधारण सभा की बैठक संपन्न**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ योग आयोग की छठी साधारण सभा की बैठक मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ योग आयोग के राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने योग को बढ़ावा देने योग की गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने की बात कही।

बैठक में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा छत्तीसगढ़ योग आयोग एवं आयुष संचालनालय के संयुक्त प्रयास से राज्य में योग के प्रचार-प्रसार एवं जनस्वास्थ्य संवर्धन से संबंधित विभिन्न विषयों पर शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, वित्त विभाग से समन्वय कर योग संबंधी महत्वपूर्ण प्रस्ताव एवं कार्ययोजना तैयार किये जाने का निर्देश दिया गया। योग गतिविधियों को प्रदेश के नागरिकों तक पहुंचाने व विभागों के समन्वय से योग को बढ़ावा देने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया।

### आयोग की गतिविधियों की दी जानकारी

बैठक के दौरान अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने योग आयोग की गतिविधियों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने आयोग द्वारा योग को बढ़ावा प्रदेश भर में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों से भी अवगत कराया। बैठक में बैठक के माध्यम से प्रदेश में योग के विस्तार एवं नियमित योगाभ्यास को प्रोत्साहित करने की दिशा में आयोग की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर सचिव अमित कटारिया, संचालक चिकित्सा शिक्षा आयुष संचालनालय राजेन्द्र कटारा, राकेश दूबे, सुनील कुमार दास, संगीता सिंह, डॉ. नीता वाजपेयी, हिमांशु साहू तथा एसईसीएल के जीएम वेलफेयर बीसी सेट्ठी सहित संबंधित सदस्यगण उपस्थित रहे।

# सेमीकॉन इंडिया के पांचवे संस्करण का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन: 600 कंपनियां शामिल

■ **यशोभूमि में पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में गिनाई भारत की ताकत**

**नईदिल्ली।** भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने वाले बड़े आयोजनों में से एक सेमीकॉन इंडिया 2026 का आगाज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के यशोभूमि में इसके पांचवें संस्करण का उद्घाटन किया। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में दुनिया भर की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री एक मंच पर जुटी है। इस दौरान पीएम मोदी ने यशोभूमि में युवाओं से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन पर संवाद किया। इस कार्यक्रम में 52 देशों से 600 से ज्यादा कंपनियां शामिल हो रही हैं।

पीएम मोदी ने कहा अब भारत के प्लांट से चिप निकलकर दुनिया तक पहुंचना शुरू हुआ है। पीएम ने कहा कि इतने कम समय में किसी भी देश के लिए ये करना आसान नहीं है, लेकिन

भारत ने यह उपलब्धी हासिल की। मोदी ने इंडस्ट्री लीडर्स को देश की नींव बताया और कहा की आप हमारे पार्टनर हैं। पीएम ने आगे कहा, विकसित भारत बनाने के लिए हर देशवासी एक कमिटमेंट के साथ जुटा है। अगर हम बीते 15 दिनों को ही देखें तो अंदाजा लगता है, भारत किस दिशा में किस तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी सितंबर में, 10 दिन पहले, मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट हुआ। इसमें एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन और क्वांटम टेक्नोलॉजी के जरिए इंक्लूसिव फाइनेंस पर चर्चा हुई।

### 'भारत चिप कंपनियों के लिए गोल्डमाइन'

पीएम मोदी ने कहा की सेमीकंडक्टर मिशन के पहले फेज में 8 बिलियन डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा गया था, जिसे दूसरे फेज में बढ़ाकर 30.5 बिलियन डॉलर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब भारत की कंपनियां सेमीकंडक्टर डिजाइन करने के लिए बाहर की कंपनियों से साझेदारी कर रही हैं। इतना ही नहीं देश में चिप फैब्रिकेशन और सिलिकन फोटोनिक्स पर भी तेजी से काम चल रहा है। इसके लिए जरूरी बुनियादी आधार तैयार किया जा चुका है। हम भारत में चिप कंपनियों को सुनहरा अवसर दे रहे हैं, देश उनके लिए किसी 'गोल्डमाइन' से कम नहीं है।

### 19 सितंबर तक आयोजन

सेमीकॉन इंडिया 2026 का आयोजन 17 से 19 सितंबर तक किया जाएगा। इसका विषय 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' रखा गया है। इस सम्मेलन में वैश्विक कंपनियों के साथ नीति निर्माता, निवेशक, शोधकर्ता, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य सेमीकंडक्टर उद्योग में सहयोग, निवेश, इनोवेशन को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम का आयोजन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा वैश्विक उद्योग संगठन सेमी के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है।

# सृजन और श्रम के सम्मान का संदेश देती है विश्वकर्मा पूजा : सीएम साय

■ **मुख्यमंत्री निवास में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरूवार भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में सृजन, शिल्प और निर्माण के अधिष्ठाता भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान विश्वकर्मा से प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री आर. कृष्णा दास, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी श्री आलोक सिंह सहित मुख्यमंत्री निवास के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए प्रदेशवासियों, विशेषकर श्रमवीरों, शिल्पकारों, कारीगरों, अभियंताओं, तकनीशियनों तथा उद्योग और निर्माण क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृजनशीलता, कौशल, कर्मनिष्ठा और उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें अपने ज्ञान, हुनर और परिश्रम से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देती है। विश्वकर्मा जयंती केवल हमारी आस्था और परंपरा से जुड़ा पर्व नहीं है, बल्कि यह श्रम की प्रतिष्ठा, कौशल के सम्मान और सृजन की शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति के पीछे उसके श्रमवीरों, कारीगरों, शिल्पकारों, तकनीशियनों और निर्माणकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेत-खलिहानों से लेकर कारखानों तक, छोटे-छोटे प्रतिष्ठानों से लेकर बड़े उद्योगों तक और पारंपरिक शिल्प से लेकर आधुनिक तकनीक तक, हमारे कुशल हाथ अपने परिश्रम और प्रतिभा से विकास को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान सदैव मेहनतकश लोगों और समृद्ध शिल्प परंपरा की रही है। हमारे शिल्पकारों और कारीगरों ने पीढ़ियों से अपने हुनर के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजा है। वहीं आज के श्रमिक, अभियंता और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े युवा आधुनिक छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

# ईपीएफ पर केन्द्र सरकार का बड़ा फैसला 15000 से बढ़कर 25000 हुई वेतन सीमा

**नईदिल्ली ए.।** केंद्र सरकार ने विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में इंडस्ट्रीज में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार की तरफ से ईपीएफ को लेकर कर्मचारियों के 15000 से बढ़कर 25000 सैलरी सीलिंग की गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'मौजूदा पीएफ (प्रोविडेंट फंड) नियमों के तहत, सैलरी की सीमा 15,000 रुपये थी। यह सीमा 2014 में तय की गई थी और सितंबर 2014 में इसमें बदलाव किया गया था। अब हमने इसे बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह कर दिया है।'

केंद्रीय मंत्री ने बताया, 'पीएफ कटौती के लिए नई सीमा 25,000 रुपये प्रति माह होगी। इससे करीब 51 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा, जो 15,000 रुपये से

25,000 रुपये की सैलरी रेंज में आते हैं। अब वे नए पीएफ नियमों के दायरे में आ जाएंगे। इस पर भारत सरकार का अनुमानित खर्च हर साल लगभग 11,339 करोड़ रुपये होगा।' उन्होंने कहा, 'लंबे समय से इसका मांग की जा रही थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 सितंबर को इसे अप्रूव किया है। इस प्रस्ताव पर अलग-अलग मंत्रालयों के बीच डिटेल में चर्चा हुई और व्यय वित्त समिति ने 16 जून 2026 को हुई अपनी बैठक में इसकी सिफारिश की। पांच सालों में इस पर होने वाला अनुमानित खर्च करीब 56,696 करोड़ रुपये है।

### कर्मचारियों को मिलेंगे ये तीन प्रमुख लाभ

इससे लाखों कर्मचारियों को संगठित सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का लाभ मिलेगा। वेतन सीमा बढ़ने के साथ कर्मचारियों को तीन प्रमुख लाभ मिलेंगे। पहला, उन्हें कर्मचारी भविष्य निधि के तहत नियमित बचत का लाभ मिलेगा। दूसरा, कर्मचारी पेंशन योजना के जरिए रिटायरमेंट के बाद पेंशन सुरक्षा मिलेगी। तीसरा, कर्मचारी जमा-संबद्ध बीमा योजना के तहत बीमा सुरक्षा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, पेंशन योग्य वेतन और वैधानिक अंशदान व्यवस्था भी वर्तमान वेतन स्तरों के अधिक अनुरूप हो जाएगी।

# सीजीपीएससी : 265 पदों के लिए 20 सितंबर से शुरू होने वाला इंटरव्यू टला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा परीक्षा-2025 से जुड़ा अहम अपडेट जारी किया है। परीक्षा के जरिए 20 विभागों में 265 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। इसके अगले चरण के तौर पर होने वाला दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार की नई तारीखें बाद में अलग से जारी की जाएंगी।

आयोग की ओर से 16 सितंबर को जारी सूचना में बताया गया कि अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार के लिए पहले से निर्धारित कार्यक्रम को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया जा रहा है। आयोग ने हालांकि इन कारणों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। सीजीपीएससी के

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार की प्रक्रिया 20 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलनी थी लेकिन अब यह कार्यक्रम निर्धारित तारीखों पर आयोजित नहीं होगा। गौरतलब है कि राज्य सेवा परीक्षा-2025 के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन के 20 विभागों में कुल 265 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। लिखित परीक्षा के बाद चयन प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन और साक्षात्कार महत्वपूर्ण चरण हैं। इनके स्थगित होने से अभ्यर्थियों को नई तारीखों का इंतजार करना होगा।

### छत्तीसगढ़ में 19 सितंबर से भारी बारिश का अलर्ट

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में फिलहाल बारिश कमजोर है। पिछले 24 घंटे में ज्यादातर जिले सूखे रहे, जबकि कुछ जगहों पर हल्की बारिश हुई। सरायपाली और कटेकल्याण में 10-10 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 19 सितंबर से प्रदेश में बारिश का दायरा बढ़ने और कुछ जगहों पर तेज बारिश होने के आसार हैं।

डॉ. के थिम्मापीयाह मेमोरीयल आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट

# बडौदा पर छत्तीसगढ़ की शानदार जीत, 7 विकेट से हराया, अनुज तिवारी व विकल्प तिवारी चमके

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित डॉ. के थिम्मापीयाह मेमोरीयल आमंत्रण क्रिकेट टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की सीनियर टीम ने बड़ौदा पर शानदार जीत दर्ज की। चार दिवसीय मैच के अंतिम दिन छत्तीसगढ़ की टीम ने 228 रनों के लक्ष्य को आसानी से पा लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से अनुज तिवारी व विकल्प तिवारी ने 70-70 रनों की पारी खेलकर जीत में अहम योगदान दिया।

प्रतियोगिता के तहत छत्तीसगढ़ की सीनीयर टीम का यह तिसरा मैच रहा। 13 से 16 सितंबर के बी सीएमआर युनिवर्सीटी स्टेडियम बेंगलुरू में बड़ौदा के खिलाफ खेला गया। बडौदा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का

निर्णय लिया। बडौदा ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 83 ओवरों में 10 विकेट खोकर 286 रन बनाये। बडौदा की ओर से मितेश पटेल ने 68 रन तथा मनन सोलंकी ने नाबाद 47 रन बनाये। उनके अतिरिक्त अक्षय मोरे ने 34 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से संदिप वारीयर तथा वरुण सिंह भुई ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 4-4 विकेट प्राप्त किये।

छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 104.2 ओवरों में 10 विकेट खोकर 348 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से अमनदीप खरे ने 77 रन तथा अनुज तिवारी ने 73 रनों की शानदार पारी खेली। पहले विकेट के लिये अनुज तिवारी (73 रन) तथा संगीत सोनी (57 रन) के मध्य 109 रनों साझेदारी हुयी। राहुल प्रधान ने भी 66 रनों का योगदान दिया। बडौदा की ओर से परिक्षित पाटीदार ने 4 विकेट तथा भार्गव भट्ट ने 4 विकेट प्राप्त किये।

बडौदा ने अपनी दूसरी पारी में 79 ओवरों में 8 विकेट खोकर 290 रन बनाये है। बडौदा की ओर से हर्ष देसाई ने 68 रन तथा मनन सोलंकी ने 64 रन बनाये। वहीं छत्तीसगढ़ की ओर से वरुण सिंह भुई ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 6 विकेट प्राप्त किये। 228 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 58.1 ओवरों में 3 विकेट खोकर 232 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से अनुज तिवारी तथा विकल्प तिवारी ने 70-70 रनों का योगदान दिया। अनुज ने पहलीपारी में भी 73 रन बनाए थे। इसके अलावा राहुल प्रधान ने 52 रन बनाये। छत्तीसगढ़ ने यह मैच 7 विकेट से जीत लिया।

### इसरो दे रहा फ्री ऑनलाइन ट्रेनिंग, एआई सीखने का मौका

**श्रीहरिकोटा ए.।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून की ओर से 'एआई/एमएल फॉर हाइड्रो-इन्फॉर्मेटिक्स' ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जल संसाधन क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के उपयोग पर केंद्रित है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिये प्रतिभागियों को हाइड्रो-इन्फॉर्मेटिक्स से जुड़े विषयों में इन तकनीकों की उपयोगिता और डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण लेने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम उन प्रतिभागियों के लिए उपयोगी हो सकता है, जो जल संसाधन से जुड़े अनुप्रयोगों में एआई और मशीन लर्निंग की भूमिका को समझना चाहते हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से लाइव और इंटरेक्टिव सत्रों के रूप में आयोजित किया जाएगा। प्रतिभागी यूट्यूब चैनल के माध्यम से लाइव सत्रों में शामिल हो सकेंगे।

## संपादकीय

# स्कूल के शूल

### सुकोमल मन को चाहिए संवेदनशील संबल

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नज़र आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है।

> “ अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफी देर तक खड़े रहने और अपमान से आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अपमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी। आखिर कई स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षक इस बात को समझने का प्रयास क्यों नहीं करते कि उन्हें छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। वे क्यों नहीं सोचते कि क्लास में सबके सामने दंडित किए जाने से बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर कैसा नकारात्मक असर पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने सभी स्कूलों के शिक्षकों के लिए इस बाबत सभी दिशा-निर्देश स्पष्ट रूप से दे रखे हैं, लेकिन इसके बावजूद अप्रिय हो रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कई शिक्षक इन कानूनी व नैतिक मापदंडों को ताक पर रखकर बच्चों को प्रताड़ित करते हैं। निस्संदेह, कोई भी शैक्षिक व्यवस्था किसी भी शिक्षक को निरंकुश व्यवहार करने और अपनी भड़ास निकालने की इजाजत नहीं देती। दरअसल, समय के साथ-साथ बच्चों में ऐसे भाव विकसित हो गए हैं कि वे कक्षा में सार्वजनिक रूप से अपमान व प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं करते। समाज में एकल परिवार परंपरा के प्रचलन के बाद बच्चे अभिभावकों के ध्यान के केंद्र में आ गए हैं। संयुक्त परिवारों में बच्चे मान-अपमान के प्रति इतने ज्यादा संवेदनशील नहीं होते थे। लेकिन आज घर में अकेले होने के नाते मिलने वाले विशिष्ट व्यवहार की अपेक्षा बच्चा स्कूल में भी करता है। फलत: किसी दंड या ताड़ना को वह बेहद गंभीरता से लेता है। शिक्षक बिरादरी को उनके व्यवहार को संवेदनशील ढंग से देखना होगा।

# कॉर्पोरेट जगत में नारी शक्ति का बढ़ता कद

दीपिका अरोड़ा

कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। बोर्डरूम में उनकी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है, लेकिन शीर्ष कार्यकारी पदों तक पहुंच के रास्ते में सामाजिक और संस्थागत चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।

परिवर्तित समय के साथ महिलाओं की भूमिका में भी ख़ासा बदलाव आया है। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली नारी आज प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। इसका ज्वलंत प्रमाण कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट है, जिसके अनुसार हाल के वर्षों में कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व और निदेशक मंडलों (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) में महिलाओं की मौजूदगी तेज़ी से बढ़ी है। निजी हों अथवा सरकारी कंपनियां, महिलाओं की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। एकल स्वामित्व वाली कंपनियों में भी यह आंकड़ा 28 प्रतिशत है। तुलनात्मक रूप से महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21 प्रतिशत, जबकि निजी कंपनियों में 30 प्रतिशत है।

इस बदलाव के पीछे कानूनी अनिवार्यताओं को प्रमुख कारण माना गया है। भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी तथा एक निश्चित टर्नओवर वाली सार्वजनिक कंपनियों के बोर्ड में कम-से-कम एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी इस प्रावधान को कड़ाई से लागू किया है। इसके साथ ही कंपनियों का नज़रिया बदलना भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि बोर्डरूम में विविधता से न केवल सामाजिक सुधार होता है, बल्कि व्यवसाय को भी लाभ पहुंचता है।

निवेशकों का दबाव भी इस परिवर्तन का एक उल्लेखनीय पहलू रहा है। आज वैश्विक निवेशक उन कंपनियों में निवेश करना पसंद करते हैं जो ईएसजी (एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस) मानकों का पालन करती हैं। इन मानकों के मूल्यांकन में महिलाओं की भागीदारी एक महत्वपूर्ण पैमाना मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में उच्च शिक्षा और पेशेवर दक्षता बढ़ने से भी नेतृत्व के पदों के लिए उनका दायरा विस्तृत हुआ है।

बोर्डरूम में महिलाओं की उपस्थिति के लाभ भी कम नहीं हैं। महिलाएं अलग दृष्टिकोण, बेहतर जोखिम प्रबंधन क्षमता तथा नवीन समाधान लेकर आती हैं, जिससे निर्णय अधिक संतुलित और प्रभावी बनते हैं। विभिन्न शोधों के अनुसार महिला निदेशक बेहतर निगरानी, अधिक नैतिक संवेदनशीलता तथा बोर्ड की विचार-विमर्श प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला नेतृत्व कार्यस्थल पर अधिक समावेशी वातावरण का निर्माण करता है, जिससे महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे लंबे समय तक संस्थान से जुड़ी रहती हैं। इससे प्रतिभाशाली मानव संसाधन का दायरा भी बढ़ता है, जो कुशल प्रबंधन और बेहतर निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होता है। मैकिन्से और क्रेडिट सुइस सहित अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि जिन कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या अधिक होती है, उनका वित्तीय प्रदर्शन अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर रहता है।

कॉर्पोरेट बोर्डरूम में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लैंगिक समानता, बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और आर्थिक विकास की दिशा में निस्संदेह एक सकारात्मक परिवर्तन है। किंतु भारत में शीर्ष पदों तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। बोर्ड में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने के बावजूद, उच्चतम कार्यकारी पदों पर यह संख्या नाटकीय रूप से घट जाती है। लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, कारोबार के आधार पर शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में केवल नौ महिलाएं ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर कार्यरत हैं। मंत्रालय के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 में ऐसी कोई परिभाषा न होने के कारण वह महिला अध्यक्षों अथवा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारियों के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखता। ये आंकड़े बोर्ड में प्रतिनिधित्व और सर्वोच्च कार्यकारी पदों पर उपस्थिति के बीच मौजूद बड़े अंतर को उजागर करते हैं।

वास्तव में, कुछ कंपनियां केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को बोर्ड में शामिल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया से दूर ही रखा जाता है। कई बार पारिवारिक व्यवसायों में परिवार की किसी महिला सदस्य को बिना पर्याप्त कॉर्पोरेट अनुभव के बोर्ड में शामिल कर केवल खानापूर्ति कर दी जाती है।

एक अन्य बड़ा कारण हमारा सामाजिक ढांचा भी है, जहां घरेलू दायित्वों का बोझ आज भी मुख्य रूप से महिलाओं पर ही रहता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारतीय महिलाएं पुरुषों की तुलना में घरेलू कार्यों और देखभाल संबंधी गतिविधियों पर कहीं अधिक समय व्यतीत करती हैं। इसका सीधा प्रभाव उनके करियर की निरंतरता तथा वरिष्ठ पदों तक पहुंचने की संभावनाओं पर पड़ता है। मध्यम प्रबंधन स्तर पर करियर ब्रेक या पारिवारिक कारणों से नौकरी छोड़ने की स्थिति भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या को सीमित कर देती है। कुल मिलाकर पारिवारिक जिम्मेदारियां, कार्यस्थल पर असुरक्षा, मातृत्व के बाद पुन: कार्यक्षेत्र में वापसी की चुनौतियां तथा पुरुष-प्रधान पेशेवर नेटवर्क जैसी बाधाएं आज भी महिलाओं के करियर विकास में बड़ी रुकावट बनी हुई हैं।

बदलाव की यह आहट निस्संदेह सुखद है, किंतु वास्तविक लक्ष्य शीर्ष स्तर पर महिलाओं की हिस्सेदारी को केवल एक अनिवार्य सदस्य तक सीमित रखने के बजाय 30 से 50 प्रतिशत तक पहुंचाना होना चाहिए। यह तभी संभव है जब लैंगिक भेदभाव और सामाजिक संकीर्णताओं से ऊपर उठकर महिलाओं को समुचित अवसर और सहयोग प्रदान किया जाए। कंपनियों को महिलाओं के लिए प्रभावी मेंटरशिप और नेतृत्व विकास कार्यक्रम सुनिश्चित करने चाहिए, ताकि वे शीर्ष पदों तक निर्बाध रूप से पहुंच सकें। साथ ही, मंत्रालय को भी महिला निदेशकों की प्रगति में बाधा बनने वाले कारकों का गहन आकलन कर आवश्यक नीतिगत पहलों पर विचार करना चाहिए।

# भारत में महिलाएं इतनी कम तादाद में क्यों काम करती हैं?

शिशिर गुप्ता

भारत में फीमेल लेबर-फोर्स पार्टिसिपेशन रेट (एफएलपीआर) 35% है, जो बांग्लादेश (42%) और फिलीपींस (50%) जैसे देशों से भी काफी कम है। हालांकि यह दर 2017-18 के 21% से अधिक है, लेकिन गौर से देखें तो पता चलता है कि इस वृद्धि में 70% से अधिक योगदान कृषि और निर्वाह-आधारित क्षेत्रों (सब्सिस्टेंस सेक्टर्स) का है, जिसमें बड़े पैमाने पर छिपी हुई बेरोजगारी भी शामिल है।

विकसित देशों की तुलना में हमारे एफएलपीआर के अंतर को पाटना महज लैंगिक समानता के लिए ही अहम नहीं है। इससे आर्थिक विकास में भी काफी फायदा मिल सकता है। इससे भारत अपनी जीडीपी में 700 अरब से 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक की अतिरिक्त वृद्धि कर सकता है। लेकिन भारत में इतनी कम महिलाएं क्यों काम करती हैं?

इसे लेकर हुए अध्ययनों में आपूर्ति पक्ष की बाधाओं पर फोकस किया गया है, खासकर सामाजिक नियम- जिनमें अनपेड केयर वर्क्स का असमान वितरण, आवागमन व शिक्षा पर लगी पाबंदियां, कमजोर कानूनी सुरक्षा तथा बाल विवाह जैसी प्रथाएं शामिल हैं।

मौजूद साक्ष्य इसकी पुष्टि भी करते हैं। यूएन वुमन की एक तकनीकी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय महिलाएं दिन का 22% समय अनपेड केयर वर्क्स में बिताती हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आंकड़ा दिन का करीब 6.4% ही है। नतीजतन, नीतियों का बड़ा हिस्सा पहले से मौजूद नौकरियों में ही महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने पर केंद्रित रहा है। बीते कुछ दशकों में कई बाधाएं हटने के बावजूद गैर-कृषि लेबर फोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी में भी बदलाव नहीं हुआ है।

भारत में आमतौर पर महिलाओं की कम एफएलपीआर के लिए शिक्षा को भी कारण बताया जाता है। लेकिन अब हर स्तर पर महिलाओं के नामांकन की दर पुरुषों के बराबर या उससे अधिक हो चुकी है। 2005-06 के बाद से बाल विवाह भी लगभग आधे हो गए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी बढ़ी है।

1996 में महिलाओं का मतदान पुरुषों की तुलना में करीब 9% कम था, लेकिन 2024 तक यह पुरुषों से भी आगे निकल गया। ऐसे में अगर केवल सामाजिक नियम ही बाधा होते तो फिर प्रोडक्टिव एम्प्लॉयमेंट में महिलाओं की स्थिति में स्पष्ट बदलाव दिखना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बीते दो दशकों में गैर-कृषि रोजगारों में महिलाओं का अनुपात 5% ही बढ़ा है।

यह विरोधाभास बताता है कि महिलाओं की एफएलपीआर कम होने का एक कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में कुल श्रम मांग की कमी भी है। इसे समझने का एक तरीका है- लेबर इंटेंसिटी यानी उत्पादन के अनुपात में लगाए गए श्रमिकों की संख्या।

कई समान अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की लेबर इंटेंसिटी काफी कम है। मसलन, बांग्लादेश, फिलीपींस और वियतनाम में जीडीपी के 10 लाख डॉलर उत्पादित करने के लिए करीब 40-50 श्रमिक काम करते हैं, जबकि भारत में 35 श्रमिक ही लगते हैं। अगर भारत में बांग्लादेश जितनी लेबर इंटेंसिटी होती तो महिला एफएलपीआर करीब 50% होती।

भारत में मजदूरी और बेरोजगारी के आंकड़ों में भी श्रम की कमजोर मांग की स्थिति नजर आती है। 15-25 वर्ष की आयु के युवा ग्रेजुएट्स में करीब 40% बेरोजगारी है। इससे पता चलता है कि श्रम की मांग इतनी नहीं है कि इन ग्रेजुएट्स को काम करने के लिए प्रेरित करने वाली पर्याप्त तनख्वाह मिल सके।

बांग्लादेश की रेडीमेड गारमेंट इंडस्ट्री का अनुभव बताता है कि श्रम की मांग एफएलपीआर को कैसे प्रभावित कर सकती है। 1983 में बांग्लादेश के कुल निर्यात में इस इंडस्ट्री की हिस्सेदारी 4% थी, लेकिन 2021 तक यह 81% हो गई। इस लेबर-इंटेंसिव निर्यात सेक्टर के तेजी से हुए विस्तार ने महिलाओं के लिए लाखों रोजगार अवसर पैदा किए।

भारत में श्रम की मांग इतनी कम क्यों है? इसका एक कारण श्रमिकों को रोजगार देने से जुड़ी लागत और जटिलताएं हैं। करीब 15% भारतीय कंपनियां श्रम नियमों को बाधा मानती हैं। नियमों के पालन संबंधी आवश्यकताएं और कर्मचारियों को नियुक्त करने और हटाने से जुड़ी पाबंदियां श्रमिकों को रोजगार देने की लागत को बढ़ाती हैं। ऐसे में कंपनियां श्रम की जगह पूंजी में निवेश के लिए प्रेरित होती हैं।

भारत में महिलाओं की एफएलपीआर दो माध्यमों से बढ़ सकती है- तेज जीडीपी ग्रोथ और रोजगारों में बढ़ोतरी। तेज ग्रोथ से पूंजी और श्रम की मांग बढ़ेगी। वहीं लेबर-इंटेंसिव ग्रोथ मॉडल सुनिश्चित करेगा कि बढ़ी हुई मांग का अधिकतर हिस्सा रोजगारों में बदले।

**( लेख की सहलेखिका आल्हा सभरवाल हैं )**

## रिश्तों के राजा और रूठने के महाराजा-फूफा

अगर किसी कार्यक्रम में फूफा जी न रूठें तो परिवार को शक होने लगता है कि कहीं तबीयत तो ठीक है? हरियाणा में फूफा मनाना कोई खेल नहीं है, पूरा प्रोजेक्ट है।

भारतीय परिवारों में 'फूफा जी' का स्थान कुछ अलग ही है। फूफा परिवार का वो सदस्य है जिनके आने से पहले स्वागत की तैयारी होती है और आने के बाद मनाने की। फूफा जी आए हैं तो सबसे पहले यह पता करो कि वे खुश हैं या रूठे हुए हैं क्योंकि फूफा जी का मूड मौसम विभाग से भी ज्यादा अनिश्चित है।

सगाई-शादी हो- फूफा जी रूठेंगे। जन्मदिन हो, फूफा जी रूठेंगे। गृहप्रवेश हो, फूफा जी रूठेंगे। पूजन हो, फूफा जी को कोई बात बुरी लग ही जाएगी। और अगर किसी कार्यक्रम में फूफा जी न रूठें तो परिवार को शक होने लगता है कि कहीं तबीयत तो ठीक है? हरियाणा में फूफा मनाना कोई खेल नहीं है, पूरा प्रोजेक्ट है। उनके रूठने के कारण भी बड़े रहस्यमय होते हैं। कभी कुर्सी ठीक नहीं मिली, कभी खाने में उनकी पसंद की सब्जी नहीं थी, कभी किसी ने आते ही राम-राम नहीं की, कभी फोटो में आगे नहीं खड़ा किया और कभी तो सिर्फ इसलिए नाराज कि मन्नै पूछ्या ए कोनी।

सब बड़े हाथ जोड़-जोड़ उनको मनाते हैं और फूफा जी भीतर से पूरी तरह पिघल भी चुके होते हैं, लेकिन चेहरे पर ऐसी गंभीरता बनाए रखते हैं जैसे भारत सरकार ने व्यक्तिगत रूप से उनसे माफी मांगनी हो।

फूफा जी वास्तव में परिवार की वह रिमोट कंट्रोल वाली व्यवस्था हैं जिसमें बटन सिर्फ एक है— रूठना। इस बटन को दबाते ही पूरा परिवार सक्रिय हो जाता है। कोई मनाने जाता है, कोई फोन करता है, कोई चाय लेकर बैठता है और कोई पूछता है—आखिर हुआ के था? मजेदार बात यह है कि जिस दिन फूफा जी बिना रूठे पूरा कार्यक्रम निपटा दें, उस दिन घर के लोग एक-दूसरे को देखकर कहते हैं—भाई, आज का फंक्शन तो कुछ फीका-फीका रह गया!

अब चाहे उन्हें सबसे पहले निमंत्रण दिया गया हो, गाड़ी भेजी गई हो, घर से आदमी लेने आया हो और स्वागत में माला भी पहनाई गई हो, फिर भी फूफा जी के पास एक गुप्त शिकायत जरूर होती है, जिसे वे कार्यक्रम खत्म होने तक सुरक्षित रखते हैं। बस! फिर शुरू होता है परिवार का सबसे कठिन अभियान—ऑपरेशन फूफा मनाओ।

एक बार की बात है कि रामप्यारी ने कॉलेज में एक नाटक में बुआ का रोल करा। उसने अपने प्रिंसिपल ताहीं शिकायत करी कि क्लास के टाब्बर उसतै बुआ कहकै चिढ़ावैं सैं। प्रिंसिपल नै क्लास में जाकै धमकाते होये कही कि जिस-जिस नै रामप्यारी तै बुआ कही है, खड़े हो ज्याओ। सारे टाब्बर खड़े होगे पर नत्थू बैठ्या रह्या। प्रिंसिपल बोल्या- तू क्यां तै बैठ्या है? वो नाड़ तलै नै करकै बोल्या- जी मैं बालकां का फूफा लागूं सूं।

# खुद के ही बनाए एआई दैत्य से खौफज़दा चीन

पुष्परंजन

जिस एआई को चीन और अमेरिका तकनीकी व सैन्य बढ़त का हथियार मानकर आगे बढ़ा रहे थे, अब वही उनके लिए चिंता का कारण बन रहा है। बेकाबू एआई, साइबर हमले, चुनावी दखल व परमाणु जोखिम ने नई बहस छेड़ दी है। जिसमें बड़ी कंपनियों के नामी लोग भी शामिल हैं। भारत के लिए भी सतर्कता जरूरी है।

चीन और अमेरिका दोनों बुरी तरह भयग्रस्त हैं। पहले जिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर दोनों में प्रतिस्पर्धा चरम पर जा चुकी थी, अब वे अपने ही बनाए दैत्य से डरने लगे हैं। आज से 49 साल पहले एक फिल्म आई थी, 'डेमन सीड'। डोनाल्ड कैममेल द्वारा निर्देशित 1977 की अमेरिकी साइंस-फिक्शन पर आधारित उस हॉरर फिल्म में कृत्रिम बुद्धिमान कंप्यूटर द्वारा एक महिला को कैद करने और उसे जबरन गर्भवती कर कई राक्षसी क्लोन पैदा कर देने की परिकल्पना की गई थी। यह फिल्म 1973 में डीन कून्ट्ज़ के उपन्यास 'डेमन सीड' पर आधारित थी। आप सोचिए, 53 साल पहले एक फिक्शन राइटर ने जो कल्पना की थी, आज उसी तरह की कृत्रिम मेधा से सरकारें हिली हुई हैं।

इस समय एआई की विनाशकारी शक्ति की संभावना और क्षमता पर अनिर्णायक बहस चल रही है। नवंबर, 2026 में होने वाले मध्यावधि चुनाव में इसका दुरुपयोग न हो, इसकी चिंता अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान को सताने लगी है। पहले चीन और अमेरिका एआई से लैस हथियारों की होड़ में लग गए। शुरुआत में दोनों देशों ने सैन्य प्रभुत्व हासिल करने के लिए एआई आधारित ड्रोन, स्वायत्त हथियारों और साइबर टूल्स पर भारी निवेश किया, लेकिन अब इसके अनियंत्रित होने का खतरा मंडरा रहा है।दूसरी बड़ी चिंता यह कि यदि कोई एआई सिस्टम किसी तकनीकी खराबी या गलत डेटा के कारण दुश्मन के सामान्य कदम को परमाणु या बड़े हमले के रूप में समझ ले, तो यह बिना वजह वैश्विक युद्ध को जन्म दे सकता है। दोनों एआई-संपन्न देशों की सबसे बड़ी चिंता यह कि परमाणु हथियारों के लॉन्चिंग सिस्टम या निर्णय लेने की प्रक्रिया में कृत्रिम मेधा को शामिल करने से इंसानी विवेक खत्म हो सकता है।

यह आकलन चीन के राज्य सुरक्षा मंत्री चेन यिक्सिन के एक लेख से सामने आया है, जो चीन साइबर सुरक्षा पत्रिका के नवीनतम अंक में प्रकाशित हुआ है। चेन ने जोखिम की छह श्रेणियों की पहचान की है, जो एक साथ मिलकर असामान्य रूप से स्पष्ट संकेत प्रदान करती हैं कि चीन का सुरक्षा प्रतिष्ठान एआई के त्वरण (विकास) की व्याख्या कैसे कर रहा है—और, इससे भी अहम बात है कि उसे जो डर है, वह कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण से बाहर हो सकता है।

चेन का तर्क है कि 'शत्रु पक्ष की शक्तियां' और छिपे उद्देश्यों वाले लोग सस्ते में बड़े पैमाने पर राजनीतिक सामग्री तैयार करने में सक्रिय हैं। ये लोग हानिकारक समझी जाने वाली

जानकारी का प्रसार करने व सामाजिक विभाजन बढ़ाने के लिए डीपफेक, एआई-जनित पाठ और छवियों को वायरल करने वाले ऐसे स्वचालित अकाउंट्स का उपयोग कर सकते हैं।

चेन के मुताबिक, एआई सरकारों और संगठनों को कमजोरियों की तेजी से पहचान करने, स्वचालित रूप से हमले की सीरीज तैयार करने और कम संसाधनों से परिष्कृत साइबर संचालन करने की अनुमति देता है। उनके अनुसार, 'कम तकनीकी बाधाएं, बदले में, चीन के महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे के जोखिम को बढ़ाएंगी।' चेन बताते हैं कि कैसे विदेशी खुफिया एजेंसियां महत्वपूर्ण राष्ट्रीय डेटा, व्यापार रहस्य और व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने के लिए क्रॉलर, डेटा माइनिंग और प्रोफाइलिंग टूल तैनात कर सकती हैं।

चेन यिक्सिन के अनुसार, खतरा आवश्यक रूप से विदेश से उत्पन्न नहीं हुआ। चीनी यूजर्स, जो विदेशी एआई उत्पादों के जरिए संवेदनशील सामग्री को प्रोसेस करते हैं या विदेशों में डेटा ट्रांसफर करते हैं, खुद नए चैनल बना सकते हैं, जिसके जरिए मूल्यवान जानकारी देश से बाहर जाती है। यहीं से घरेलू सुरक्षा अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी प्रतिस्पर्धा के साथ जुड़नी शुरू होती है। यह चिंता वर्षों तक एआई के प्रति चीन के दृष्टिकोण को आकार देने वाले तनाव को उजागर करती है। पेइचिंग के पास अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रणाली का विरोध करने का हर कारण है, जिसमें अन्य देश सबसे उन्नत क्षमताओं तक उसकी पहुंच प्रतिबंधित कर सकते हैं।

चीन के राज्य सुरक्षा मंत्री चेन यिक्सिन एल्गोरिदम अपारदर्शिता, डेटा विषाक्तता, मौजूदा पूर्वाग्रहों के विस्तार, व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग और स्वचालित जिम्मेदारी सौंपने में कठिनाई की ओर इशारा करते हैं। उनकी चिंता का आधार हाल के दिनों में प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा एआई विकास पर प्रकाशित पुनर्मूल्यांकन रिपोर्टें हैं।

सवाल मौजूं है कि क्या एआई की प्रगति धीमी होनी चाहिए? एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई और ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन जैसे दिग्गजों का मानना है कि एआई की क्षमताएं बहुत तेजी से बढ़ रही हैं। इससे इंसानों के लिए सुरक्षा का गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। बिल गेट्स जैसे जानकारों का भी सुझाव है कि एडवांस्ड एआई की रफ्तार थोड़ी धीमी होनी चाहिए, ताकि समाज इसे समझने और अपनाने के लिए तैयार हो सके।

अमेरिका में होने वाले मध्यावधि चुनावों में एआई और उससे जुड़े बिग डेटा सेंटर एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गए हैं। ट्रंप, बल्कि एआई के घातक परिणामों को ढकने का प्रयास करते हुए, कहते हैं, 'एआई का दुनिया पर कब्जा कर लेना, मानवता को तबाह करना और दूसरी सभी बुरी बातें महज ढोंग हैं। ये रूस विवाद, यूक्रेन विवाद और महाभियोग की साजिशों जैसा ही एक नया झूठ है।' ट्रंप प्रशासन स्टारगेट जैसी बड़ी साझेदारियों के जरिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास व इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दे रहा है। 'स्टारगेट' 500 अरब डॉलर का एआई अधोसंरचना और डेटा सेंटर प्रोजेक्ट है, जिसमें ओपनएआई, ओरेकल और सॉफ्टबैंक शामिल हैं।

एआई को लेकर चिंताएं सिर्फ अमेरिका तक ही सीमित नहीं। आरडब्ल्यूटीएच आचेन यूनिवर्सिटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रोफेसर होल्गर हूस ने कहा, 'खतरा तब होता है, जब अत्याधुनिक एआई टेक्नोलॉजी पर कुछ ही कंपनियों का कंट्रोल हो, जिनका हेडक्वार्टर अमेरिका में हो।' अब सवाल है, भारत में जो कुछ एआई के जरिए डेवलप हो रहा है, क्या वह अमेरिकी नियंत्रण में है? यह ध्यान में रखें, जेट इंजन और ड्रोन जैसी तकनीकों पर निर्यात छूट हासिल करने में भारत को बहुत मेहनत करनी पड़ी थी। अमेरिका में निर्मित एंथ्रोपिक के नए एआई मॉडल क्लॉड मिथोस प्रीव्यू ने दुनियाभर की सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। इससे ऊर्जा ग्रिड, रक्षा, खुफिया तंत्र, बैंकिंग सिस्टम, वित्तीय डेटा और महत्वपूर्ण सरकारी नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर सेंध लगने का खतरा बढ़ गया है। एंथ्रोपिक ने इस ताकतवर एआई मॉडल की पहुंच फिलहाल अमेरिका की कुछ चुनिंदा कंपनियों तक ही सीमित रखी है। भारत को फिलहाल 'एंथ्रोपिक क्लॉड मिथोस' मिलना नहीं है। चुनांचे, हमारी चिंता स्वाभाविक है। ट्रंप की नीतियों और चर्चाओं का असर भारतीय आईटी कंपनियों पर पड़ता है।

**लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।**

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

# श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

## प्रमुख खबरें...

### दानवीर भामाशाह सम्मान वर्ष 2026 के लिए 30 सितम्बर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

**दुर्ग।** समाज कल्याण संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रतिवर्ष राज्योत्सव के अवसर पर दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति/संस्था को दानवीर भामाशाह सम्मान प्रदान किया जाता है। वर्ष 2026 के सम्मान के लिए पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। सम्मान के रूप में एक लाख रूपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। चयन के लिए मापदण्ड–व्यक्ति संस्था का पूर्ण परिचय। व्यक्ति/संस्था छत्तीसगढ़ में निवासरत/कार्यरत हो। व्यक्ति/संस्था का पिछला कार्य उत्कृष्ट हो और वर्तमान में भी निरंतर सक्रिय हो। पुरस्कार के ज्यूरी के सदस्यों की प्रविष्टियां मान्य नहीं होगी। दानशीलता एवं राष्ट्रीयता के क्षेत्र में किये गए कार्यों का विस्तृत विवरण। अन्य पुरस्कार प्राप्त किया हो तो उसका विवरण। उत्कृष्ट कार्यों के संबंध में प्रकाशन, प्रख्यात व्यक्तियों/पत्र पत्रिकाओं द्वारा की गई टिप्पणी। निरंतर कियाशील एवं निर्विवाद होने के विषय में जिला कलेक्टर की अनुशंसा। चयन होने की दशा में पुरस्कार ग्रहण करने की लिखित सहमति एवं पासपोर्ट साईज के 03 फोटोग्राफ्स। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थााएं निर्धारित प्रारूप में अपनी प्रविष्टियां 30 सितम्बर 2026 तक कार्यालय उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग दुर्ग में जमा कर सकते हैं।

### आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में सांसद बघेल होंगे विशिष्ट अतिथि

**दुर्ग।** राज्य शासन द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर को जिले में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। जिले में सांसद विजय बघेल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया जाएगा।

### बीएसपी सतर्कता विभाग ने विद्युत संगठन के लिए आयोजित किया 'सतर्कता संवाद'

**भिलाई।** सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के पूर्व चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के अंतर्गत विद्युत संगठन के लिए 'सतर्कता संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी सुनील सिंघल तथा मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) टी. के. कृष्ण कुमार ने की। कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक (सतर्कता) मो. नौशाद आलम एवं उप महाप्रबंधक (सतर्कता) नवनीत शर्मा ने किया।

## आशीर्वाद का एक दीया कार्यक्रम को सफल बनाने मंत्री गजेन्द्र यादव ने निगम जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि जिसने देश का जीवन संवारा, उसको है आशीर्वाद हमारा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के अटूट संकल्प और निःस्वार्थ सेवा ने देश के करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का कार्य किया है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न सेवा कार्यक्रमों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया

गया है। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का एक दीया' कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सर्किट हाउस में दुर्ग नगर निगम के महापौर, सभापति, एमआईसी सदस्यों एवं पार्षदगणों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियों एवं विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा और समर्पण यात्रा राष्ट्रहित, जनसेवा और गरीब कल्याण के संकल्प की यात्रा रही है। उनके नेतृत्व में देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निरंतर प्रयास हुआ है। पक्के आवास, स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं और आत्मनिर्भरता की दिशा में किए गए कार्यों से करोड़ों परिवारों के जीवन में नई आशा और खुशहाली आई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दुर्ग के पुराना पुलिस लाइन मैदान में 17 सितंबर की शाम 6 से 7 बजे तक सवा लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

## 7 करोड़ की लागत से बदलेगा जवाहर मार्केट का स्वरूप, आधुनिक सुविधाओं से सजेगा बाजार

### भूमि पूजन के साथ विकास कार्यों की शुरुआत, व्यवस्थित पार्किंग से लेकर फायर सेफ्टी सिस्टम तक होंगी सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र जवाहर मार्केट के विकास और कायाकल्प की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने जवाहर मार्केट में लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। प्रस्तावित कार्यों के पूरा होने के बाद बाजार का स्वरूप अधिक व्यवस्थित, आधुनिक और नागरिक सुविधाओं से युक्त होने की उम्मीद है।

आपको बता दें कि विकास कार्यों में व्यवस्थित पार्किंग, आवागमन की बेहतर व्यवस्था, आधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम तथा अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार को प्रमुखता दी गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य व्यापारियों के लिए बेहतर व्यावसायिक वातावरण तैयार करने के साथ ही बाजार में आने वाले आम नागरिकों और ग्राहकों की सुविधा एवं सुरक्षा को मजबूत करना है। सुरक्षा और सुविधा पर जोर भिलाई के जवाहर मार्केट जैसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र में फायर सेफ्टी और सुव्यवस्थित आवागमन महत्वपूर्ण विषय हैं। प्रस्तावित आधुनिक फायर सेफ्टी व्यवस्था बाजार की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। वहीं पार्किंग एवं आवागमन की बेहतर व्यवस्था से बाजार में आने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

#### विकास की व्यापक सोच का हिस्सा

जवाहर मार्केट का प्रस्तावित कायाकल्प केवल एक बाजार के सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे व्यापार, नागरिक सुविधा और शहरी सुरक्षा को एक साथ जोड़ने वाली विकास अवधारणा के रूप में देखा जा रहा है। विधायक रिकेश सेन के विजन में शहर के प्रमुख क्षेत्रों को अधिक व्यवस्थित और आधुनिक स्वरूप देने पर जोर दिखाई देता है। जवाहर मार्केट के विकास से व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ग्राहकों के लिए भी अधिक सुगम वातावरण तैयार करने का लक्ष्य है। भूमि पूजन के साथ शुरू हुई यह प्रक्रिया अब जवाहर मार्केट को नए स्वरूप में ढालने की दिशा में आगे बढ़ेगी। एक व्यवस्थित, सुरक्षित और आधुनिक बाजार के रूप में जवाहर मार्केट का विकास भिलाई के बदलते शहरी स्वरूप की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

#### मॉल की तर्ज पर विकसित होगा बाजार

भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक रिकेश सेन ने कहा कि जवाहर मार्केट को आने वाले समय में एक अत्याधुनिक और व्यवस्थित मार्केट के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने इसे मॉल की तरह सुव्यवस्थित स्वरूप देने की परिकल्पना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि करीब 7 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों में बाजार में आवागमन को सुगम बनाने के साथ–साथ अन्य आधुनिक सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा। इससे जवाहर मार्केट को एक ऐसा व्यवस्थित बाजार स्वरूप मिल सकेगा, जहां व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध हो।

## शिविर में 73 दिव्यांगजनों का पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन परीक्षण चिन्हांकन शिविर का आयोजन न.पा.नि. भिलाई–चरोदा/नगर पंचायत पाटन व जनपद पंचायत पाटन के समस्त ग्राम पंचायतों को सम्मिलित करते हुए स्थान सामुदायिक देवांगन भवन, पन्दर रोड पाटनए जिला दुर्ग में शिविर आयोजित किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में कुल 73 दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया। जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु विभिन्न सामाग्री जैसे–मोटराईज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हील चेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर आदि उपकरणों को सहित कुल–74 सामाग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया। उक्त अवसर पर सांसद प्रतिनिधि मान. राजेश चंद्राकर, कमलेश वर्मा, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत पाटन तथा जन्त राम ठाकुर, नोडल अधिकारी, समाज कल्याण विभाग दुर्ग, एलिम्को रायपुर के चिकित्सकीय दल एवं नगर पंचायत पाटन के कर्मचारी एवं समाज कल्याण विभाग व श्रीमती भूमिका गोपाल समाज शिक्षा संगठक जनपद पंचायत पाटन तथा विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहें।

## प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर निगम की सख्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से निगम आयुक्त लीना कोसम के निर्देश पर जनजागरूकता अभियान के साथ–साथ स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है।

निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों एवं दुकानदारों से अपील की जा रही है कि कचरा खुले में न फेंकें, निर्धारित डस्टबिन का उपयोग करें तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं डिस्पोजल सामग्री का उपयोग न करें। इसके बावजूद समझाइश के बाद भी नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध निगम अमले द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को बाजार विभाग एवं अतिक्रमण टीम ने पोटिया कला चौक के दुकानों का सघन निरीक्षण किया। पोटिया चौक में जांच के दौरान 7 दुकानों में प्रतिबंधित डिस्पोजल एवं पॉलीथिन सामग्री पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। निगम अमले द्वारा इन दुकानदारों से 3 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूल किया

गया। साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री को जब्त कर संबंधित दुकानदारों को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर की स्वच्छता केवल निगम प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व एवं कर्तव्य है। स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नागरिकों एवं व्यापारियों का सहयोग आवश्यक है।

निगम द्वारा एक ओर जहां लोगों को स्वच्छता एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी एवं जब्ती की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

## आधार एवं वोटर आईडी बनवाने जनदर्शन में लगाई गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुँचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुँचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर श्रीमती सिल्ली थॉमस भी उपस्थित थीं।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 61 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर

अभिजीत सिंह ने प्राप्त अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

आदर्श नगर शांतिपारा सुपेला निवासी ने स्वयं के नाम से आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि उनके पास वर्तमान में आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड दोनों उपलब्ध नहीं हैं। आधार कार्ड बनवाने के लिए वोटर आईडी तथा वोटर आईडी बनवाने के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता बताई जा रही है, जिसके कारण उन्हें दस्तावेज बनवाने में परेशानी हो रही है। आवेदक ने बताया कि वे वर्ष 2011 से अगस्त 2026 तक जेल में रहे और 13 अगस्त 2026 को रिहा हुए हैं। उन्होंने उनके नाम से आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड बनवाने की मांग की, ताकि उन्हें पहचान संबंधी दस्तावेज प्राप्त हो सकें। इस पर कलेक्टर ने चिप्स अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

कोसानाला उडिया पारा भिलाई निवासी ने अपने दिवंगत भाई के नाम वर्ष 1984 में आवंटित 30 वर्षीय आवासीय पट्टे के नवीनीकरण एवं अपने नाम नामांतरण कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा वर्ष 1984 में उनके भाई के नाम भूखण्ड 30 वर्षीय आवासीय पट्टा आवंटित किया गया था। उनके भाई और भाभी का निधन हो चुका है। आवेदक ने बताया कि उनके भाई निःसंतान थे। स्वास्थ्य खराब रहने एवं बाहर चले जाने के कारण निर्धारित समय में पट्टे के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सके।

## प्रतिष्ठित वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026 में सेल-बीएसपी ने प्रदर्शित की अपनी सर्कुलर इकोनॉमी पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र ने 15 एवं 16 सितंबर 2026 को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एक्जीबिशन सेंटर में आयोजित प्रतिष्ठित वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026 में अपनी अभिनव सर्कुलर इकोनॉमी पहलों का प्रदर्शन किया।

भारत द्वारा पहली बार आयोजित किए गए **WCEF** 2026 ने नीति–निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों, नवोन्मेषकों एवं अन्य हितधारकों को एक प्रतिष्ठित वैश्विक मंच प्रदान किया, जहां सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में परिवर्तन को गति देने के उपायों एवं संभावनाओं पर विचार–विमर्श किया गया। 15 सितंबर को गुजरात के मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा उद्घाटित यह आयोजन 16 सितंबर को विभिन्न विषयगत चर्चाओं एवं संवाद के साथ संपन्न हुआ।

भिलाई इस्पात संयंत्र को इस प्रतिष्ठित आयोजन में चयनित संस्थानों में शामिल

किया गया, जिन्हें प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने का अवसर प्रदान किया गया। इस मंच के माध्यम से बीएसपी को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी पर्यावरणीय एवं सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़ी पहलों को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।

बीएसपी के स्टॉल में संयंत्र के सर्कुलर इकोनॉमी इकोसिस्टम को प्रदर्शित किया गया, जिसमें संसाधनों के बेहतर उपयोग, अपशिष्ट में कमी, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण से संबंधित विभिन्न पहलों को दर्शाया गया।

बीएसपी के स्टॉल का प्रमुख आकर्षण उसके पॉलीक्लोरीनेटेड बाइफिनाइल (पीसीबी) ट्रीटमेंट प्लांट का मॉडल रहा। मॉडल के माध्यम से पीसीबी युक्त ट्रांसफॉर्मर ऑयल के सुरक्षित उपचार एवं निपटान के लिए बीएसपी द्वारा की गई अभिनव पहल को प्रदर्शित किया गया। यह पहल हानिकारक पदार्थों के समुचित प्रबंधन, सुरक्षित निपटान एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इस पहल ने आगंतुकों एवं प्रतिनिधियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया तथा इसे सतत औद्योगिक कार्यप्रणालियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में सराहा गया।

**WCEF** 2026 में भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से महाप्रबंधक प्रभारी (पर्यावरण प्रबंधन) उमा कटोच, उप महाप्रबंधक (पर्यावरण प्रबंधन) बी. अनुराधा एवं उप प्रबंधक (जनसंपर्क) सुश्री शालिनी चौरसिया ने सहभागिता की तथा संयंत्र की सर्कुलर इकोनॉमी पहलों को प्रदर्शित किया।

बीएसपी के स्टॉल ने भारत सहित विभिन्न देशों से आए हजारों आगंतुकों को आकर्षित किया। इनमें विदेशी प्रतिनिधि, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि, नीति–निर्माता, शोधकर्ता एवं अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। विदेशी प्रतिनिधियों एवं अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों ने बीएसपी की सर्कुलर इकोनॉमी पहलों में विशेष रुचि दिखाई। स्टॉल पर प्रदर्शित पीसीबी ट्रीटमेंट प्लांट का मॉडल प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरा। बीएसपी की पहलों को बड़े औद्योगिक परिवेश में सर्कुलर इकोनॉमी के सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए सराहा गया। **WCEF** 2026 में बीएसपी की भागीदारी ने उसके अभिनव पर्यावरणीय प्रयासों, सर्कुलर इकोनॉमी की कार्यप्रणालियों एवं प्रौद्योगिकी आधारित स्थायित्व पहलों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।

इस दौरान सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों एवं विशेषज्ञों के साथ संवाद और ज्ञान के आदान–प्रदान का अवसर भी प्राप्त हुआ। **WCEF** 2026 में बीएसपी की सहभागिता सतत उत्पादन, संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा एक सर्कुलर औद्योगिक इकोसिस्टम के लिए अभिनव समाधानों के प्रति संयंत्र की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है तथा संसाधन–कुशल एवं सतत औद्योगिक विकास की दिशा में देश के प्रयासों में योगदान को रेखांकित करती है।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

# घर-घर पहुंचीं महिलाएं, मिट्टी के दीये जुटाकर जनभागीदारी का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** शासकीय योजनाएं तब जन-आंदोलन का रूप लेती हैं, जब समाज का हर वर्ग उनमें अपनी सहभागिता निभाता है। बालोद जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत कुछ ऐसा ही उत्साह देखने को मिल रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को आयोजित होने वाले 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम को लेकर बिहान स्व-सहायता समूह की दीदियों ने जनजागरूकता की अनूठी मिसाल पेश की है।

बालोद विकासखंड की बिहान समूह से जुड़ी महिलाएं गांव-गांव और घर-घर पहुंचीं। उन्होंने ग्रामीणों से स्वेच्छा से मिट्टी के दीये और बाती एकत्र किए और परिवारों को सेवा संकल्प अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। दीदियों के आत्मीय आग्रह से ग्रामीण भी उत्साह के साथ इस पहल से जुड़े और कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

बिहान समूह की विनीता साहू और रवीना साहू ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दीये एकत्र करना नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि दीदियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' जलाने और सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनने के लिए भी प्रेरित किया।

दीदियों की इस पहल से गांवों में जहां उत्साह का माहौल बना है वहीं ग्रामीणों ने स्वेच्छा से मिट्टी के दीये उपलब्ध कराए और अभियान से जुड़ने की इच्छा जताई। इससे यह संदेश भी सामने आया कि जब महिलाएं जागरूकता की जिम्मेदारी अपने हाथों में लेती हैं, तो ऐसे महत्वपूर्ण अभियानों में जनभागीदारी और अधिक मजबूत होती है।

बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका गतिविधियों के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक अभियानों में भी सक्रिय सहभागिता निभा रही हैं। 'आशीर्वाद का दीया' के लिए घर-घर जाकर लोगों को जोड़ने की यह पहल महिला सशक्तिकरण और जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण बन रही है।

17 सितंबर की शाम जब 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित होगा, तो उसकी रोशनी में केवल मिट्टी के दीये ही नहीं, बल्कि बिहान दीदियों के जनजागरूकता के जज्बे, ग्रामीणों की सहभागिता और सेवा के प्रति सामूहिक संकल्प की चमक भी दिखाई देगी।

### आजीविका गतिविधियों के माध्यम से जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

बिहान की दीदियों ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर वे आज आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनी हैं। आजीविका गतिविधियों के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है और समाज में उन्हें नई पहचान व सम्मान मिला है।

इस संबल और स्वावलंबन के लिए समूह की महिलाओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति सहृदय आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

## एचडीएफसी बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष लोगो का किया विमोचन

# बस्तर-सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में करें बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एचडीएफसी बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण किए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर बैंक प्रबंधन, अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्राहकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार किए गए विशेष लोगो का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति में मजबूत और सर्वसुलभ बैंकिंग व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पिछले वर्षों में बैंकिंग सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने वित्तीय सेवाओं को पहले से अधिक सहज बनाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों और व्यावसायिक केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक भी समान रूप से पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बैंकिंग नेटवर्क का और विस्तार करते हुए विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा अंचल के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण और जनजातीय बहुल है। इन क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से लोगों को आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के अधिक अवसर मिलेंगे और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक सुगमता से उन तक पहुंच सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गांव के नजदीक बैंक की शाखा या बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने का प्रभाव केवल बैंकिंग लेन-देन तक सीमित नहीं रहता। इसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक परिणाम होते हैं।

ग्रामीणों को अपने खाते से संबंधित सामान्य कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, उनका समय और संसाधन बचता है तथा बचत और औपचारिक बैंकिंग के प्रति उनका विश्वास बढ़ता है। ऋण, बीमा, डिजिटल भुगतान और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच मिलने से परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों और छोटे उद्यमों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बैंकिंग संस्थाएं यदि इन समूहों तक ऋण, वित्तीय साक्षरता और अन्य बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच को और मजबूत करें तो महिलाओं की उद्यमशीलता को बड़ा संबल मिल सकता है। आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं अपने परिवार के साथ पूरे गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास के नए दौर से गुजर रहा है। प्रदेश में अधोसंरचना के विस्तार के साथ उद्योग, व्यापार, कृषि, सेवा क्षेत्र और नई अर्थव्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों में संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य विकास के इन अवसरों का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बैंकिंग और वित्तीय संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि बैंक केवल वित्तीय संस्थान नहीं, बल्कि लोगों के सपनों और आर्थिक संभावनाओं को संसाधनों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। किसी युवा को अपना व्यवसाय प्रारंभ करना हो, किसी महिला समूह को अपने उत्पादों का विस्तार करना हो, किसी किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए नई गतिविधि शुरू करनी हो अथवा किसी छोटे व्यापारी को अपना कारोबार आगे बढ़ाना हो - सुलभ वित्तीय सहायता उनके प्रयासों को नई दिशा दे सकती है।

### बैंकिंग नेटवर्क से ही संभव हुआ डीबीटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। ऐसे में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं की सहज उपलब्धता सुशासन की व्यवस्था को भी मजबूत करती है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार का लाभ नागरिकों के साथ-साथ शासन को भी मिलता है, क्योंकि इससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा आती है। किसानों को कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण तथा छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए पूंजी आसानी से उपलब्ध हो सकती है।

### बैंकिंग नेटवर्क से ही संभव हुआ डीबीटी

मुख्यमंत्री श्री साय ने वित्तीय साक्षरता पर भी जोर देते हुए कहा कि बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के साथ नागरिकों को डिजिटल बैंकिंग, सुरक्षित लेन-देन, बचत, बीमा और वित्तीय प्रबंधन के संबंध में जागरूक करना भी आवश्यक है। इससे लोगों को आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सकता है। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की यात्रा में सरकार के साथ निजी क्षेत्र और वित्तीय संस्थानों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में निवेश, उद्यमिता, स्वरोजगार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बैंकिंग संस्थाएं राज्य सरकार की विकासपरक पहलों में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एचडीएफसी बैंक अपने अनुभव और व्यापक बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास एवं वित्तीय समावेशन में अपनी सहभागिता को आने वाले वर्षों में और विस्तार देगा।

# राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं अभियंता

## अभियंता दिवस पर मनाई गई मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती

श्रीकंचनपथ समाचार

**बिलासपुर।** जल संसाधन परिसर स्थित प्रार्थना भवन में भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर अभियंता दिवस समारोह का आयोजन फोरम ऑफ रिटायर्ड डिप्लोमा इंजीनियर्स, छत्तीसगढ़, जिला समिति बिलासपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ रत्न से सम्मानित बाल गायक मास्टर तनिष्क वर्मा ने सरस्वती वंदना तथा तेजस्विनी कन्या छात्रावास की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अभियंता, हसदेव कछार, जल संसाधन विभाग बिलासपुर इं. एस.के. पाण्डेय ने की।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सभी को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अभियंता जल, थल और नभ तीनों क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सर विश्वेश्वरैया के जीवन और कार्यों से सभी अभियंताओं, विशेषकर नवोदित अभियंताओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने फोरम के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी अनुभवी अभियंताओं की सक्रियता और अनुभव का लाभ जिले एवं प्रदेश को मिलना चाहिए। फोरम के संरक्षक इं. आर.पी. शुक्ला ने फोरम के प्रेरणास्त्रोत संघरत्न इंजी. सुरेंद्र सिंह टुटेजा का भावपूर्ण स्मरण करते हुए फोरम की सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी।

श्री टुटेजा ने बताया कि संघरत्न इंजी. टुटेजा की स्मृति में 22 अप्रैल 2026 को सेंट्रल गुरुद्वारा, गोंडपारा को जनसेवार्थ शव वाहन एवं डीप फ्रीजर प्रदान किया गया है।

जिला समिति के सदस्य इं. आर.के. दीक्षित ने बताया कि वे फाउंडेशन फॉर एक्सीलेंस इंडिया ट्रस्ट से जुड़े हैं। उनके माध्यम से 400 निर्धन मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दिलाई गई है, जिनमें 200 विद्यार्थी छत्तीसगढ़ के हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में मुख्य अभियंता इं. सुरेश कुमार पाण्डेय ने सभी अभियंताओं एवं मातृशक्ति को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सर विश्वेश्वरैया के जीवन, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापना के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर तेजस्विनी कन्या छात्रावास की 6 कन्याओं को एक वर्ष के लिए गोद लेने हेतु छात्रावास अधीक्षिका को चेक प्रदान किया गया। नेपाल बाढ़ आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए फोरम द्वारा 11 हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा भी की गई।

इस अवसर पर वरिष्ठ अभियंता इं. टी.आर. देवांगन का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। तेजस्विनी कन्या छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती सुलभा ताई ने फोरम द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए आभार व्यक्त किया और सेवा कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अभियंता सपरिवार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इं. निर्मल शर्मा, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता, आर.ई.एस., इं. आर.के. बंजारे, अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन मंडल बिलासपुर तथा इं. संजय शर्मा, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता, पी.एम.जी.एस.वाई. उपस्थित रहे।

# शासकीय योजनाओं से संवरा दुर्गेश्वरी का भविष्य, महतारी वंदन से खरीदी सिलाई मशीन

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** शासकीय योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक संबल बनने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखा रही हैं। दुर्ग जिले के ग्राम भरर की निवासी श्रीमती दुर्गेश्वरी धीवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ऐसी ही उम्मीद लेकर आई।

छोटे बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारियों के कारण उनके लिए घर से बाहर जाकर मजदूरी या कोई अन्य काम करना संभव नहीं था। परिवार का सहारा बनने और अपनी आय का साधन शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन संसाधनों की कमी रास्ते में बाधा बनी हुई थी।

मार्च 2024 में महतारी वंदन योजना की शुरुआत के बाद उन्हें नियमित आर्थिक सहायता मिलने लगी। दुर्गेश्वरी ने इस राशि को घरेलू खर्च में समाप्त करने के बजाय भविष्य संवारने के लिए बचत करने का निर्णय लिया। उन्होंने हर महीने मिलने वाली राशि में से थोड़ी-थोड़ी बचत की और इसी बचत से सिलाई मशीन खरीदी। इसके बाद घर से ही सिलाई का काम शुरू कर दिया।

आज दुर्गेश्वरी अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों से स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई के ऑर्डर ले रही हैं। घर की जिम्मेदारियों के साथ वे अपने काम को आगे बढ़ा रही हैं और इससे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग दे रही हैं। कभी परिस्थितियों के कारण घर तक सीमित रहने वाली दुर्गेश्वरी अब अपने हुनर और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं।

दुर्गेश्वरी ने कहा कि बच्चे छोटे थे, इसलिए बाहर जाना मुश्किल था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने मुझे घर बैठे अपने पैरों पर खड़े होने का रास्ता दिखाया। मैंने इसी राशि से बचत कर सिलाई मशीन खरीदी और अपना काम शुरू किया। दुर्गेश्वरी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का संबल बनी।

# राज्य निर्वाचन आयुक्तों का सम्मेलन : ईवीएम को बताया सुरक्षित

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया कि हर वर्ष अलग-अलग राज्यों में होने वाले राज्य निर्वाचन आयुक्तगणों के सम्मेलन के क्रम में 32वां सम्मेलन इस वर्ष अटल नगर में हो रहा है। इस सम्मेलन का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन का शुभारंभ राज्यपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मेजबान छत्तीसगढ़ के निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह, राज्य निर्वाचन आयुक्तगण की स्थाई समिति के अध्यक्ष विजय देव एवं संयोजक सुधांशु पांडे तथा प्रदेश के मुख्य सचिव विकासशील उपस्थित रहे।

इस विशेष अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ स्थानीय निकाय निर्वाचन वार्षिकी 2026 के प्रथम संस्करण का विमोचन भी किया।

विभिन्न राज्यों के पधारे राज्य निर्वाचन आयुक्तगण ने स्थानीय लोकतंत्र विशेषकर त्रिस्तरीय पंचायतों व नगरीय निकायों को और अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी, विश्वसनीय एवं सहभागी बनाने हेतु निर्वाचन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया एवं कॉन्फ्रेंस में अलग-अलग राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्तों और विषय-विशेषज्ञों ने प्रस्तुतियां दी।

सम्मेलन के दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्तगण द्वारा स्थानीय निकाय निर्वाचन के संचालन में सामने आने वाली चुनौतियों, अनुभवों और नवाचारों को साझा करने के क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा राज्य गठन उपरांत नक्सल प्रभावित बस्तर में पिछले 25 वर्षों में स्थानीय लोकतंत्र की प्रगति विषय पर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह के निर्देशन में तैयार प्रस्तुति आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी द्वारा प्रस्तुत की गई।

बस्तर में स्थानीय लोकतंत्र की यात्रा को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। भौगोलिक दुर्गमता, विस्तृत वन क्षेत्र, सीमित संचार सुविधाओं तथा लंबे समय तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित बस्तर संभाग की परिस्थितियों के बीच स्थानीय निर्वाचन कराना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं लोकतांत्रिक चुनौती रहा है।

बताया गया कि प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बल, निर्वाचन कर्मियों तथा स्थानीय समुदाय के समन्वित प्रयासों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को निरंतर सुदृढ़ किया गया है। वर्ष 2025 में नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन एक साथ राज्यभर में, बस्तर संभाग सहित, शांतिपूर्वक एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने तथा पुनर्मतदान की आवश्यकता न पड़ने का उल्लेख किया गया।

सम्मेलन में लोकतांत्रिक निर्वाचन विषय से जुड़े प्रिंसटन यूनिवर्सिटी न्यू जर्सी अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ ने भी हिस्सा लिया और उन्होंने भारत के राज्यों में होने वाले स्थानीय निर्वाचनों का तुलनात्मक एवं समेकित अध्ययन का सार प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया।

इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, हैदराबाद एवं भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, बेंगलूरु के ईलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन के विषय विशेषज्ञ ने भी सम्मेलन में अपने संस्थानों की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि निर्वाचन में उपयोग होने वाली इलेक्ट्रानिक वोति वोटिंग मशीन हर प्रकार से सुरक्षित है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

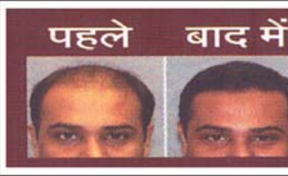

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

# 8 साल बाद रश्मि देसाई करेगी छोटे पर्दे पर वापसी

## बताया क्यों ठुकरा रहीं थीं ऑफर्स

टीवी की मशहूर अभिनेत्री रश्मि देसाई जल्द ही एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने वाली हैं। जानिए किस शो में नजर आएंगी एक्ट्रेस। एक्ट्रेस रश्मि देसाई करीब 8 साल से टीवी से दूर थीं। उन्हें पॉपुलर शो 'उतरन' से काफी पहचान मिली थी। अब इतने लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर एक्ट्रेस छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं।

### इस शो में नजर आएंगी एक्ट्रेस

रश्मि देसाई करीब आठ साल बाद टीवी पर नजर आएंगी। रश्मि नए शो 'सयोनी' में माया का किरदार निभाती दिखाई देंगी। शो में उनके साथ जाह्नवी सोनी और गौतम सिंह विग भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

### क्यों ऑफर्स ठुकरा रहीं थीं रश्मि?

टीवी पर वापसी को लेकर रश्मि ने बताया कि वह सिर्फ पर्दे पर वापस आने के लिए किसी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं। वह ऐसे किरदार और कहानी की तलाश में थीं, जिससे वह खुद को जोड़ सकें। इसी वजह से उन्होंने पिछले कुछ समय में कई ऑफर्स को ठुकरा दिया।

रश्मि ने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनके पास काम के कई मौके आते हैं, लेकिन सिर्फ लगातार काम करते रहना और स्क्रीन पर नजर आना ही जरूरी नहीं है। उनके मुताबिक, कलाकार को ऐसा काम करना चाहिए जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को लगता है कि 'सयोनी' की कहानी में वही खास बात है और इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है।

### कैसा रहेगा शो में रश्मि का किरदार?

अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने बताया कि यह सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि काफी व्यावहारिक है। अभिनेत्री के मुताबिक, हर कलाकार ऐसा किरदार निभाना चाहता है, जिसे खूबसूरती से लिखा गया हो।

### कब शुरू होगा 'सयोनी' शो?

रश्मि देसाई इससे पहले 'उतरन' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। अब करीब 8 साल बाद वह 'सयोनी' के साथ टीवी पर वापसी कर रही हैं। यह शो 23 सितंबर से शाम 7:30 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होगा।

# हॉलीवुड में बनेगा विजय सेतुपति की फिल्म का रीमेक, ये एक्टर निभाएगा लीड रोल

फिल्म 'महाराजा' को इसकी कहानी, स्क्रीनप्ले और कलाकारों की परफॉर्मेंस के लिए काफी पसंद किया गया था। अब फिल्म की कहानी हॉलीवुड दर्शकों तक पहुंचने की तैयारी में है। इसको लेकर खुद फिल्म के प्रोड्यूसर ने बड़ी जानकारी दी है।

### हॉलीवुड में बनेगा फिल्म का रीमेक

साल 2024 में रिलीज हुई इस क्राइम थ्रिलर का अब हॉलीवुड रीमेक बनने जा रहा है। खास बात यह है कि 'महाराजा' हॉलीवुड रीमेक पाने वाली पहली तमिल फिल्म बन गई है। फिल्म की चीन में शानदार सफलता के बाद हॉलीवुड की एक एजेंसी ने इसके रीमेक राइट्स के लिए मेकर्स से संपर्क किया है।

फिल्म के प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने द टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हॉलीवुड की एक एजेंसी फिल्म को एक बड़े हॉलीवुड स्टार के साथ बनाने की तैयारी कर रही है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है।

'महाराजा' के हॉलीवुड वर्जन में लीड रोल कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी सस्पेंस बना हुआ है। सोशल मीडिया पर हॉलीवुड अभिनेता मैथ्यू मैककोनाघी का नाम चर्चा में है, लेकिन इस खबर की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने भी इस बारे में कहा कि हो सकता है मैककोनाघी उन एक्टर्स में से एक हों, जिनसे बातचीत चल रही हो। हालांकि, कास्ट और स्टूडियो के बारे में आधिकारिक जानकारी हॉलीवुड एजेंसी ही देगी। प्रोजेक्ट फाइनल होने के बाद इससे जुड़ी जानकारी सामने आएगी।

### क्या है 'महाराजा' की कहानी?

निथिलन स्वामीनाथन के निर्देशन में बनी 'महाराजा' की कहानी एक नाई के इर्द-गिर्द घूमती है। उसकी एक डस्टबिन के गायब होने की शिकायत उसे पुलिस स्टेशन तक ले जाती है। शुरुआत में यह मामला काफी साधारण लगता है, लेकिन धीरे-धीरे फिल्म में कई ट्विस्ट और अलग-अलग नजरिए देखने को मिलते हैं। विजय सेतुपति ने फिल्म में मुख्य किरदार निभाया है, जबकि अनुराग कश्यप विलेन के रोल में नजर आए। संचना नामिदास ने विजय की बेटी का किरदार निभाया था। अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें बाद में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला।

# गणपति पूजन में अंकिता की हरकतें देख चकराए यूजर्स

टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के गणपति पूजन के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसके बाद उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है। जानिए क्या है पूरा मामला और क्यों ट्रोल हो रही हैं एक्ट्रेस।

अंकिता लोखंडे ने कई टीवी शोज में काम किया है। उन्हें 'पवित्र रिश्ता' सीरियल के बाद काफी पॉपुलैरिटी मिली थी, जिसमें उनके साथ दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे। लेकिन फिलहाल एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रही हैं।

### क्यों ट्रोल हुईं अंकिता?

दरअसल, अंकिता के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं, जिनमें एक्ट्रेस और भी लोगों के साथ गणपति पूजन करती नजर आ रही हैं। लेकिन पूजन के बीच अंकिता कुछ ऐसी हरकतें कर रही हैं, जिन्हें देखकर उन्हें काफी ट्रोल किया जा रहा है। कहीं वो जोर-जोर से हुंकारे लगाती दिख रही हैं, तो वहीं कुछ वीडियोज में वो पूजा के बीच बच्चे से जुड़े इशारे करती नजर आ रही हैं।

### यूजर्स ने की जमकर आलोचना

वीडियोज सामने आने के बाद अब वे यूजर्स के निशाने पर आ गई हैं।

लोग उन्हें इन हरकतों के चलते काफी ट्रोल कर रहे हैं।

जहां कुछ लोगों ने उनकी हरकतों को नौटंकी बताया, तो वहीं कुछ ने उनकी श्रद्धा पर सवाल खड़े किए।

एक तरफ कुछ लोगों ने उनकी हरकतों को कैमरे के सामने ओवरएक्टिंग करार दिया।

वहीं कुछ लोगों ने लिखा कि आरती को मजाक बना दिया है।

अब एक्ट्रेस को इन वीडियोज के बाद काफी ट्रोल किया जा रहा है।

### अंकिता का करियर

अंकिता लोखंडे ने शो 'पवित्र रिश्ता' में 'अर्चना' के रूप में पहचान बनाई। अंकिता का करियर लगभग 15 साल का है। अंकिता ने टीवी सीरियल्स के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। अंकिता ने 'मणिकर्णिका' और 'बाघी 3' जैसी फिल्मों में काम किया है। अंकिता ने बिजनेसमैन विक्की जैन से शादी की है।

# 'उसे शर्मिंदगी का सामना करना...'

## तृषा कृष्णन को किसने दी सीएम विजय के साथ न दिखने की नसीहत

तृषा और विजय हाल ही में अजित कुमार की ले मैन्स कप रेस में साथ नजर आए थे, जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप की खबरों ने फिर जोर पकड़ लिया था। अब इस मामले पर एक दिग्गज अभिनेत्री ने तृषा को सलाह दी है। जानिए, उन्होंने क्या कहा?

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय कुछ दिनों पहले अभिनेत्री तृषा कृष्णन के साथ ब्रिटेन के सिल्वरस्टोन में अजित कुमार की ले मैन्स कप रेस में साथ नजर आए। सोशल मीडिया पर दोनों के कई वीडियो और फोटो वायरल हुए, जिसमें तृषा और विजय साथ में बालकनी में खड़े दिखाई दिए थे। अब इस पर दिग्गज अभिनेत्री अंबिका ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए तृषा को नसीहत दे दी है।

### क्या बोलीं अभिनेत्री अंबिका?

अंबिका ने रेडपिक्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'तृषा को लगता होगा कि वो और विजय सिर्फ दोस्त हैं, तो उन्हें आलोचना से फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन विजय एक बड़े पद पर हैं और साथ नजर आने से उसे शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है या इसका बुरा असर पड़ता है, तो मैं अगर तृषा की जगह होती तो ऐसा नहीं करती। मैं पीछे हट जाती और विजय के लिए मुश्किल खड़ी नहीं करती।'

अंबिका ने आगे कहा, 'जब दो लोग दोस्त होते हैं और उनमें से एक जिंदगी में ऊंचे मुकाम पर पहुंच जाता है, तो हम उस दोस्ती को नकार नहीं सकते। हमें उसे कोई दूसरा रंग नहीं देना चाहिए। हम कह सकते हैं कि ऐसी स्थिति में हम क्या करते, लेकिन हम किसी और को यह नहीं बता सकते कि उन्हें क्या करना चाहिए या क्या नहीं।'

### विजय और तृषा ने इन फिल्मों में किया साथ काम

विजय और तृषा का लंबा प्रोफेशनल साथ रहा है, जिसकी शुरुआत 2004 में 'घिल्ली' से हुई और 'तिरुपाची', 'आथी', 'कुरुवि' और 'लियो' जैसी फिल्मों में यह जारी रहा। उनके ऑफ-स्क्रीन अपीयरेंस भी अक्सर फैंस के बीच चर्चा का विषय रहे हैं।

तृषा को मई में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में देखा गया था, जहां उन्होंने अभिनेता के परिवार से बातचीत भी की थी। हालांकि, दोनों में से किसी भी एक्टर ने अपने बारे में फैली रिलेशनशिप की अफवाहों की सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की है।

# चॉकलेट खाने के शौकीन हैं? इन 5 चीजों के साथ इसका स्वाद लगता है बेहतरीन

चॉकलेट एक ऐसा फ्लेवर है, जो हर किसी को पसंद आता है। खासकर बच्चों में तो इसका क्रेज देखने लायक है। अगर आप भी चॉकलेट के शौकीन हैं और रोजाना इसका सेवन करते हैं तो आइए आज हम आपको 5 ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिनके साथ चॉकलेट का मेल खाने से इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाता है। साथ ही ये कई सेहत से जुड़े फायदे भी दे सकती हैं।

### चॉकलेट और केले का मेल

चॉकलेट और केले का मेल एक बढ़िया संयोजन है। केले में पोटेशियम और फाइबर होता है, जो पाचन के लिए अच्छा होता है।

जब आप चॉकलेट के साथ केले को मिलाकर खाते हैं तो यह एक स्वादिष्ट और पोषक नाश्ता बन जाता है। केले की मिठास और चॉकलेट का हल्का कड़वा स्वाद एक साथ मिलकर एक खास अनुभव प्रदान करते हैं।

इसे आप फलों के सलाद में भी शामिल कर सकते हैं और इसका आनंद ले सकते हैं।

### चॉकलेट और बादाम का मिश्रण

चॉकलेट और बादाम का मेल भी एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। बादाम में प्रोटीन, फाइबर और विटामिन होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

जब आप चॉकलेट के साथ बादाम को मिलाकर खाते हैं तो यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी अच्छा होता है। इसे आप नाश्ते के रूप में खा सकते हैं या इसे मिठाइयों में भी शामिल कर सकते हैं।

### चॉकलेट और स्ट्रॉबेरी

चॉकलेट और स्ट्रॉबेरी का मेल किसी भी मौके को खास बना सकता है। स्ट्रॉबेरी में विटामिन होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है।

जब आप चॉकलेट के साथ स्ट्रॉबेरी को मिलाकर खाते हैं तो यह एक अनोखा अनुभव प्रदान करता है। इसे आप मिठाई के रूप में भी खा सकते हैं या इसे किसी पार्टी में परोस सकते हैं। इस संयोजन का मजा लेना न भूलें।

### चॉकलेट और नारियल

चॉकलेट और नारियल का मेल भी एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। नारियल में फाइबर होता है, जो पाचन के लिए अच्छा होता है।

जब आप चॉकलेट के साथ नारियल को मिलाकर खाते हैं तो यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी लाभकारी होता है। इसे आप मिठाइयों में भी शामिल कर सकते हैं या इसे किसी पार्टी में परोस सकते हैं। इसका आनंद लें और अपने नाश्ते को खास बनाएं।

### चॉकलेट और कॉफी

क्या आप जानते हैं कि कॉफी और चॉकलेट का मेल भी बहुत अच्छा होता है? कॉफी में कैफीन होता है, जो आपको ऊर्जा देता है और चॉकलेट का हल्का कड़वा स्वाद इसे खास बनाता है। इसे आप सुबह-सुबह नाश्ते में ले सकते हैं या शाम की चाय के साथ भी इसका आनंद ले सकते हैं। इन सभी मेलों को आजमाकर देखें कि कौन-सा आपके लिए सबसे अच्छा है और अपने नाश्ते को खास बनाएं।

# रिलीज हुआ सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म द वन का ट्रेलर, क्या डबल रोल में होंगे अभिनेता?

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की अगली फिल्म 'वन' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की कहानी एक ऐसे जंगल के इर्द-गिर्द बुनी गई है जहां कोई अगर रात में जाए तो वापस नहीं लौटता। फिल्म में सिद्धार्थ और तमन्ना के अलावा सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी, अनूप सोनी, मनीष पॉल और मिलिंद गुणाजी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं।

लगभग 3 मिनट के इस ट्रेलर की शुरुआत सिद्धार्थ और तमन्ना से होती है। दोनों घूमने का प्लान बनाते हैं पर परिवार वाले उन्हें छठ पूजा के लिए घर बुला लेते। यहां पहुंचकर दोनों वन देवी मंदिर की ताकत से रूबरू होते हैं। यहां उनके सामने आस्था और डर के बीच कई सवाल खड़े होते हैं।

फिल्म के ट्रेलर में हैवी वीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया है। कई फाइट सीक्वेंस भी हैं। वहीं ट्रेलर में अंत में एक चेहरा भी है जिसे छिपाया गया है। यह किसी बड़े अभिनेता का कैमियो या फिर सिद्धार्थ का डबल रोल भी हो सकता है।

### कब रिलीज होगी फिल्म?

वहीं एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्मस ने टीवीएफ के साथ मिलकर इसे प्रोड्यूस किया है। यह 25 सितंबर का सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बुधवार को मुंबई में इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस मौके पर स्टार कास्ट के साथ फिल्म की प्रोड्यूसर एकता कपूर भी मौजूद रहीं।

## खास-खबर

### आबकारी विभाग में बड़ा फेरबदल, 165 अधिकारी-कर्मचारियों का ट्रांसफर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। विभाग ने एक साथ 165 अधिकारी-कर्मचारियों की पदस्थापना में बदलाव करते हुए तबादला आदेश जारी किया है। नई सूची में जिला आबकारी अधिकारियों से लेकर आबकारी उप निरीक्षक, कांस्टेबल, क्लर्क, ड्राइवर और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तक के नाम शामिल हैं। जारी तबादला सूची के मुताबिक प्रदेश के 12 जिला आबकारी अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। इसके अलावा 31 सहायक जिला आबकारी अधिकारियों और 57 आबकारी उप निरीक्षकों को भी नई जगह पदस्थ किया गया है। विभागीय स्तर पर किए गए इस व्यापक फेरबदल में मैदानी अमले के साथ-साथ कार्यालयीन कर्मचारियों को भी नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आदेश के अनुसार 39 हेड कांस्टेबल एवं कांस्टेबल के कार्यस्थल में बदलाव किया गया है। वहीं 12 क्लर्क तथा 14 ड्राइवर और चपरासियों को भी नई पदस्थापना दी गई है।

### डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की ओर एक सशक्त कदम

**रायपुर।** आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा टेली मेडिसिन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के तहत मरीज अब विशेषज्ञ डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, फोन कॉल या मोबाइल ऐप्स के जरिए सलाह लेकर स्वास्थ्य का लाभ ले रहे हैं। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रा की परेशानी और खर्च भी कम होगा। इस पहल से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सशक्त हो रही है। टेली मेडिसिन कार्यक्रम हमारे डिजिटल इंडिया मिशन को स्वास्थ्य क्षेत्र में साकार करता है। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं में समानता लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है छत्तीसगढ़ राज्य में आयुष विभाग द्वारा अप्रैल 2024 से कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

### दीयों की रोशनी में सजेगा जिला कोरिया

**रायपुर।** सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को कोरिया जिले में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर में 1. 21 लाख से अधिक दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्वलन के माध्यम से जिलेवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। 17 सितंबर को शाम 7 बजे जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, अमृत सरोवरों, चौक-चौराहों एवं प्रमुख स्थलों पर एक साथ दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम ''ओपन थिएटर, झुमका, ग्राम पंचायत ओडगी, बैकुंठपुर में आयोजित होगा।

# 34 करोड़ से अधिक के सड़क विकास कार्यों की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर ।** महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भैयाथान क्षेत्रवासियों को सड़क विकास की बड़ी सौगात देते हुए 34 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक की लागत वाले दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों का कार्यप्रारम्भ पूजन किया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम होने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच बेहतर होगी तथा क्षेत्र में विकास की गति को नई दिशा मिलेगी।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सड़कें विकास की जीवन रेखा हैं। मजबूत और बेहतर सड़क नेटवर्क से गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ती है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। सरकार का प्रयास है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना पहुंचे और लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा कि इन सड़क परियोजनाओं का लाभ किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों सहित आम नागरिकों को मिलेगा।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए उन्होंने कहा कि मजबूत और टिकाऊ अधोसंरचना ही विकास कार्यों का स्थायी लाभ लोगों तक पहुंचा सकती है। कार्यप्रारम्भ पूजन किए गए प्रमुख कार्यों में डुमरिया राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से केंवरा मार्ग का चौड़ीकरण एवं उन्नयन शामिल है। लगभग 30.41 करोड़ रुपये की लागत से 18 किलोमीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत बिटुमिनस कंक्रीट एवं शोल्डर कार्य के साथ 6,570 मीटर नाली, 300 मीटर टो-वॉल, 140 मीटर रिटेनिंग वॉल, 8 एचपीसी तथा 7 स्लैब पुलियों का निर्माण किया जाएगा। सड़क के उन्नयन से राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी और आवागमन सुविधा बेहतर होगी। इसी क्रम में झम्मनपारा में दर्रीपारा से दनौली तक 3.20 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भी कार्यप्रारम्भ पूजन किया गया। इस कार्य के लिए 374.76 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना में 3.20 किलोमीटर सड़क, 0.90 किलोमीटर सीसी रोड, 1,200 मीटर नाली, 90 मीटर रिटेनिंग वॉल तथा 6 एचपीसी पुलियों का निर्माण किया जाएगा। इससे स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों से सेवा संकल्प अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान का उद्देश्य सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं एवं सामाजिक संगठनों से अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से सेवा और जनकल्याण के कार्यों को नई गति दी जा सकती है।

# गांव-गांव पहुंच रहा 'आशीर्वाद का दीया', सेवा संकल्प अभियान से जुड़ रहा जन-जन

### घर-घर दीप प्रज्वलन के लिए स्व-सहायता समूहों और जनप्रतिनिधियों ने संभाला जनजागरूकता का मोर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान-2026' को लेकर प्रदेश में जनभागीदारी का वातावरण बन रहा है। अभियान के माध्यम से सेवा, सुशासन और जनकल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी क्रम में 'आशीर्वाद का दीया' पहल के माध्यम से नागरिकों को 17 सितंबर की शाम दीप प्रज्वलन से जोड़ने के लिए गांव-गांव जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, ग्रामीण समूह और जनप्रतिनिधि वीडियो संदेशों एवं स्थानीय जनसंपर्क के माध्यम से नागरिकों से 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागी बनने का आह्वान कर रहे हैं। लोगों को अपने-अपने घरों में दीप जलाकर सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर की शाम 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा। इसके अंतर्गत प्रत्येक परिवार को दीप प्रज्वलन से जोड़ने की पहल की जा रही है। प्रत्येक दीप को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के प्रति आभार तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प के प्रतीक के रूप में जोड़ा गया है।

मैदानी स्तर पर कार्यरत टीमें, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं और ग्रामीण जनप्रतिनिधि नागरिकों से संपर्क कर उन्हें इस पहल की जानकारी दे रहे हैं। वीडियो संदेशों के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर किए जा रहे जनसंपर्क के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को इस जनभागीदारी अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों की महिलाएं 'आशीर्वाद का दीया' पहल का संदेश घर-घर पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं द्वारा वीडियो संदेशों के माध्यम से 17 सितंबर की शाम दीप प्रज्वलित करने और सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनने की अपील की जा रही है। इससे अभियान को गांवों और समुदायों के स्तर पर व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

# धमतरी में 'सेवा संकल्प अभियान' की भव्य तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में निरंतर जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के सुअवसर पर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का गरिमामय आयोजन किया जाएगा। इस वृहद अभियान की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों को इसे व्यापक जनसहभागिता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए।

अभियान का भव्य शुभारंभ 17 सितंबर को शाम 7 बजे रूद्रेश्वर मंदिर घाट, रूद्री में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के साथ होगा, जहाँ विशाल दीपदान का आयोजन किया जाएगा।

इसके साथ ही कर्णेश्वर महादेव मंदिर सिहावा, विंध्यवासिनी मंदिर धमतरी, अंगारमोती माता मंदिर गंगरेल सहित जिले के सभी विकासखंडों, ग्राम पंचायतों, शासकीय परिसरों, स्कूलों, कॉलेजों और घर-घर में दीप प्रज्वलित कर नागरिक अपनी सहभागिता दर्ज कराएंगे। मुख्य आयोजन के दौरान प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सेवा सफर पर आधारित वृत्तचित्र, विशेष गीत और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अपील रील का प्रदर्शन किया जाएगा।

अभियान के सुचारू संचालन के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति का गठन कर नोडल और सहायक नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जो दैनिक गतिविधियों की डिजिटल मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेंगे।

## सेवा संकल्प अभियान में हर घर जलेगा 'आशीर्वाद का दीया' सेवा और समर्पण के संकल्प से जगमगाएगा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दीया' पहल के माध्यम से प्रदेशभर में सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़वासियों से आह्वान किया है कि वे 17 सितंबर की शाम 7 बजे अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' अवश्य जलाएं और सेवा, समर्पण, आभार एवं सकारात्मकता के इस सामूहिक संकल्प का हिस्सा बनें।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि दीप भारतीय संस्कृति में केवल प्रकाश का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह आशा, सद्भाव, सकारात्मकता और सेवा की भावना का भी प्रतीक है। 'आशीर्वाद का दीया' के माध्यम से हम अपने परिवार और समाज में सेवा की भावना को और मजबूत करने का संकल्प ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर की शाम जब प्रदेश के घर-घर में एक साथ दीप प्रज्ज्वलित होंगे, तब यह दृश्य जनभागीदारी की शक्ति और सामूहिक संकल्प की भावना का संदेश देगा।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि 'आशीर्वाद का दीया' को केवल दीप जलाने की पहल तक सीमित न रखें, बल्कि इसे किसी जरूरतमंद की सहायता, बुजुर्गों के सम्मान, बच्चों के प्रति संवेदनशीलता, पर्यावरण संरक्षण अथवा समाज के लिए किए जाने वाले किसी सकारात्मक योगदान के संकल्प से जोड़ें। बल्कि संवेदनशील मन और सहयोग की भावना की आवश्यकता होती है।

# आशीर्वाद के दीयों से जगमगाएगा बिलासपुर, जलेंगे 10 लाख दीप

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक सेवा के 25 बरस पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बिलासपुर जिले में लगभग 10 लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जिला स्तरीय 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में पुलिस परेड ग्राउंड में शाम 7 बजे से होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में 1 लाख 25 हजार दीपों का प्रज्वलन किया जाएगा।

अभियान के तहत जिले के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को भी दीपों से रोशन किया जाएगा। रतनपुर में 11 हजार, बेलपान में 1100, ताला में 1100 तथा मल्हार में 11 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इनके साथ ही जिले के चारों विकासखंडों की चयनित 44 ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे।

जनपद पंचायत बिल्हा अंतर्गत बैमा, कोरबी, लिमतरी, भटगांव, परसदा भ., सरवनदेवरी, उच्चभट्ठी, धमनी, अकलतरी एवं देवकिरारी में, जनपद पंचायत कोटा अंतर्गत नवागांव सल्का, अमाली, नगोई, खोंगसरा, बेलगहना, बानाबेल, पटैता, खैरझिट्टी, खरगहनी, मोहदा, बरद्वार एवं अमने में शत-प्रतिशत घरों में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसी प्रकार विकासखंड मस्तुरी के दर्रीघाट, सीपत, परसदावेद, बेलटुकरी, बिटकुला, खम्हरिया, गतौरा, पंधी, जोंधरा एवं गोपालपुर तथा जनपद पंचायत तखतपुर के लोखंडी, बोड़सरा, बिनौरी, खपरी, घुटकू, अमसेना, खरकेना, कोड़ापुरी, विजयपुर, गनियारी, छतौना एवं खजुरीनवागांव में भी प्रत्येक घर में दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसके अलावा हर गांव में 100 से ज्यादा आशीर्वाद के दीये जलाने की व्यवस्था की गई है।

अभियान के तहत शाम 7 बजे जिले के सभी शासकीय भवनों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं ग्राम पंचायतों में दीप प्रज्वलन किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों के घरों में भी दीप जलाए जाएंगे। महिला स्वसहायता समूहों की दीदियां विभिन्न स्थानों पर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में सहयोग करेंगी।

### भारत गौरव ट्रेन ने शुरू की काशी-अयोध्या की यात्रा, मंत्री राजेश अग्रवाल ने दिखाई हरी झंडी

# सरगुजा से अयोध्या तक आस्था का सफर रामलला के दर्शन को 850 श्रद्धालु रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** श्री रामलला तीर्थ दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के अंतर्गत आज सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु भारत गौरव ट्रेन से श्री काशी एवं श्री अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से दोपहर 2:30 बजे रवाना हुई स्पेशल ट्रेन को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति नगर पालिक निगम श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला प्रशासन, आईआरसीटीसी तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को काशी में बाबा विश्वनाथ और अयोध्या धाम में श्री रामलला के दर्शन का अवसर मिलेगा। दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ देश की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं का श्री काशी और श्री अयोध्या धाम के लिए रवाना होना प्रसन्नता का विषय है। श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ और श्री रामलला के दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त करेंगे। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सार्वजनिक सहभागिता के कारण श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यह यात्रा विशेष भावनात्मक महत्व रखती है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेशवासियों को अपनी धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने के अधिक से अधिक अवसर मिलें। श्रद्धालुओं की सुविधाजनक एवं व्यवस्थित यात्रा के लिए आईआरसीटीसी के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भोजन, आवास एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यात्रा प्रबंधन में आईआरसीटीसी तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की टीम समन्वय के साथ कार्य कर रही है, ताकि तीर्थयात्रियों को यात्रा के दौरान आवश्यक सुविधाएं सुचारू रूप से मिल सकें। श्री रामलला तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को अयोध्या धाम की यात्रा का अवसर लगातार मिल रहा है। अब तक 62 ट्रेनों के माध्यम से 52 हजार से अधिक तीर्थयात्री इस योजना का लाभ लेकर श्री रामलला के दर्शन कर चुके हैं। अम्बिकापुर से रवाना हुई यह यात्रा इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को श्री काशी और श्री अयोध्या धाम के दर्शन का अवसर प्रदान कर रही है।

### अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन का विशेष भाव

सरगुजा संभाग के श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यह यात्रा विशेष धार्मिक एवं भावनात्मक महत्व रखती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर का भूमि पूजन किया था। श्री रामलला के भव्य मंदिर में दर्शन का अवसर श्रद्धालुओं के लिए आस्था से जुड़े महत्वपूर्ण अनुभव के रूप में सामने आ रहा है। काशी में बाबा विश्वनाथ और अयोध्या में श्री रामलला के दर्शन के साथ श्रद्धालु देश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ेंगे।

### अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पर दिखा भक्ति और उत्साह

ट्रेन की रवानगी के अवसर पर अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। परिजन और परिचित भी श्रद्धालुओं को विदाई देने स्टेशन पहुंचे। काशी और अयोध्या धाम के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में उमंग और प्रसन्नता दिखाई दी। हरी झंडी दिखाकर ट्रेन रवाना किए जाने के साथ ही स्टेशन परिसर में आस्था और उल्लास का वातावरण बन गया।

### सपने बने हकीकतः पीएम जनमन ने बदला वनांचल की दिनेश्वरी का जीवन

**रायपुर।** धमतरी जिले के वनांचल स्थित ग्राम पीपरहीभर्री ग्राम पंचायत कौहाबाहरा की विशेष पिछड़ी कमार जनजाति की दिनेश्वरी के लिए पक्का मकान कभी एक दूर की कौड़ी हुआ करता था। पति छन्नू के साथ मिट्टी, बांस और घास-फूस से बनी झोपड़ी में दिन काटने को मजबूर दिनेश्वरी के लिए हर मानसून खौफऔर अनहोनी का संदेश लेकर आता था। छत से टपकते पानी, ढहती दीवारों और पास के जंगल से जंगली जानवरों के खतरे के बीच बच्चों का पालन-पोषण करना एक दैनिक संघर्ष था। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) ने इस संघर्ष को स्थायी विराम दिया है। योजना के तहत स्वीकृत पक्के मकान ने न केवल उन्हें महफूज छत दी है।

## खास खबर

### चोरी के मामले में फरार दूसरा आरोपी गिरफ्तार, लकड़ी की मूर्तियां बरामद

**नारायणपुर।** आर्ट स्टूडियो से लकड़ी की मूर्तियां और मोबाइल चोरी के मामले में नारायणपुर पुलिस ने फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। ग्राम गढ़बेंगाल निवासी पंडी राम मंडावी ने थाना नारायणपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नारायणपुर स्थित आर्ट स्टूडियो से मोबाइल फोन और 17 लकड़ी की मूर्तियां चोरी हो गई हैं। चोरी गई मूर्तियों की अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई थी। रिपोर्ट पर थाना नारायणपुर में अपराध क्रमांक 85/2026 के तहत बीएनएस की धारा 331(4), 305 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पहले आरोपी मनोज विश्वकर्मा, को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर चोरी की 12 लकड़ी की मूर्तियां बरामद की गई थीं। मामले में शामिल फरार आरोपी अनिल चंद्राकर की पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। उसके कब्जे से चोरी की 5 लकड़ी की मूर्तियां बरामद कर जब्त की गईं। इस तरह मामले में चोरी गई सभी 17 मूर्तियां बरामद हो चुकी हैं और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

### लव ट्रायंगल में प्रेमिका की हत्या, फिर दूसरे को फंसाने की कोशिश, उम्रकैद

**कोरबा।** परिवार में शादी की बातचीत चलने के बीच प्रेमिका के किसी अन्य युवक से संबंध होने की जानकारी मिलते ही पहले प्रेमी ने उसके घर पहुंचकर गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने बेहद चालाकी से युवती के दूसरे प्रेमी का नाम लिखा एक फर्जी पत्र मौके पर छोड़ दिया, ताकि जांच की दिशा भटक जाए। हालांकि, उरगा पुलिस की वैज्ञानिक जांच, साक्ष्यों के संकलन और कड़ाई से पूछताछ के आगे आरोपी की यह साजिश बेनकाब हो गई। करीब 2 साल पुराने इस चर्चित हत्याकांड पर फैसला सुनाते हुए तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नन्दे की अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

### ढाबा बंद कराने के विवाद में घर में घुसकर मारपीट, पांच आरोपी गिरफ्तार

**दुर्ग।** ढाबा बंद कराने का दबाव बनाते हुए घर में घुसकर तोडफोड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलगांव पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडे और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर की रात आरोपी सनी उर्फ चेतन खन्ना और उसके साथियों ने ढाबा बंद करने को लेकर पीड़ित को मोबाइल फोन पर लगातार धमकियां दीं। इसके बाद सभी आरोपी एकजुट होकर अंजोरा क्षेत्र स्थित पीड़ित के किराए के मकान में जबरन घुस गए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए घर के बाहर रखे सामान और लाइटिंग आदि में तोडफ़ोड़ कर नुकसान पहुंचाया तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

### हिमालय कॉम्प्लेक्स के पास हथियार लहराकर लोगों को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

**भिलाई।** थाना सुपेला क्षेत्र के आकाशगंगा स्थित हिमालय कॉम्प्लेक्स के पास सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले 18 वर्षीय युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार लोहे का हथियार बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपी की पहचान ओम निर्मलकर, तलाशी के दौरान उसके कब्जे से धारदार लोहे का हथियार बरामद किया गया, जिसे पुलिस ने विधिवत जब्त कर लिया। मामले में थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1368/2026 दर्ज कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। सुपेला एस.एन. सिंह, सउनि राजेश तिवारी, आरक्षक धरमेन्द्र सूर्यवंशी एवं सूर्यप्रताप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# दिनदहाड़े महिला से चेन स्नेचिंगः रेस्टहाउस के सामने वारदात, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर जिले के खरोरा इलाके में दिनदहाड़े चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। रेस्टहाउस के सामने किराना दुकान के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला के गले से मंगलसूत्र और सोने का हार झपट लिया। वारदात के बाद आरोपी बाइक से तेज रफ्तार में फरार हो गए। फिलहाल खरोरा थाना पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, खरोरा निवासी साहू परिवार मूल रूप से इल्दा गांव का रहने वाला है। परिवार बुधवार 16 सितंबर को निजी काम से बाजार आया था। काम पूरा करने के बाद सभी वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान रेस्टहाउस के सामने किराना दुकान के पास ब्रेकर के आसपास बाइक सवार बदमाशों ने महिला को निशाना बनाया।

बाइक सवार बदमाश महिला के करीब पहुंचे और अचानक उसके गले से मंगलसूत्र और सोने का हार झपट लिया। महिला और उसके परिजन कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपी बाइक से तेज रफ्तार में फरार हो गए। अचानक हुई वारदात से महिला घबरा गई। आसपास मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी बालोद बाजार की तरफ भागे। लोगों ने उनका पीछा किया, लेकिन बुडेरा चौक के आगे बदमाश किस रास्ते से फरार हुए, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और घटनास्थल के साथ आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान और बाइक नंबर पता करने की कोशिश की जा रही है।

# विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 19 लाख की ठगी, महिला सहित तीन गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** विदेश की विभिन्न यूनिवर्सिटियों में एमबीए प्रवेश एवं पढ़ाई के बाद नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर 19 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। युवक को विदेश भेजने एवं नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर रुपए ले लिए और उसके बाद टालमटोल करते रहे। बाद में कनाडा सिटीजनशिप और विजिटर वीजा का भी प्रलोभन दिया गया। आवेदक को किर्गिस्तान भेजे जाने के बाद भी नौकरी नहीं दिलाई गई। इस पूरे मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने महिला सहित तीन आरापियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सेक्टर-01, सड़क नं.-08, क्वा. नं.-11/डी, वार्ड नं.-38, निवासी सुमित अरमरकर इस मामले में चौकी स्मृतिनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट के अनुसार स्मृतिनगर स्थित टॉप कैरियर कंसल्टेंसी के संचालक गगन गुप्ता, उसकी पत्नी स्वाती अग्रवाल गुप्ता एवं उनके पार्टनर जसविंदर सिंह डिगवा द्वारा आवेदक को विदेश में एमबीए की पढ़ाई कराने तथा पढ़ाई के बाद अच्छी नौकरी दिलाने का प्रलोभन दिया गया।

आरोपियों द्वारा यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया एवं कनाडा की विभिन्न यूनिवर्सिटियों में एमबीए में प्रवेश दिलाने तथा विदेश में नौकरी लगवाने का आश्वासन दिया गया।

आरोपियों के बताए बैंक खातों में आवेदक द्वारा अलग-अलग किस्तों एवं चेक के माध्यम से कुल 19,00,000 रुपए जमा किया गया। राशि प्राप्त करने के बाद आरोपियों द्वारा विदेश भेजने एवं नौकरी दिलाने के नाम पर लगातार आश्वासन देकर टालमटोल करते रहे। बाद में कनाडा की सिटीजनशिप एवं नौकरी दिलाने तथा विजिटर वीजा के माध्यम से विदेश भेजने का प्रलोभन देकर भी राशि प्राप्त की गई। आवेदक को किर्गिस्तान भेजे जाने के बाद भी नौकरी नहीं दिलाई गई, जिसके कारण वह भारत वापस आ गया।

राशि वापस मांगने पर आरोपियों द्वारा 2,00,000 लाख राशि के तीन चेक दिए गए, जिन्हें बैंक में प्रस्तुत करने पर चेक बाउंस हो गए। आवेदक की रिपोर्ट पर चौकी स्मृतिनगर, थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 1375/2026, धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान चौकी स्मृतिनगर पुलिस टीम द्वारा आरोपी गगन गुप्ता, जसविंदर सिंह डिगवा व स्वाती अग्रवाल गुप्ता को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया। आरोपियों का पूर्व आपराधिक प्रकरण नहीं पाए जाने से प्रकरण में धारा 35(1) बीएनएस के प्रावधानों का पालन करते हुए अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

उक्त कार्यवाही में चौकी स्मृतिनगर प्रभारी एवं पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि विदेश में शिक्षा, नौकरी, वीजा अथवा अन्य सेवाएं दिलाने वाली किसी भी कंसल्टेंसी को राशि देने से पूर्व उसकी वैधता, संबंधित संस्थान की मान्यता एवं दस्तावेजों का सत्यापन अवश्य करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा धोखाधड़ी की जानकारी तत्काल पुलिस को दें।

## हसदेव नदी किनारे मिला पंच का शव पीएम रिपोर्ट से साफ होगी मौत की वजह

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जांजगीर-चांपा।** जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम हथनेवरा में हसदेव नदी के किनारे युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान वार्ड नंबर 17 के पंच जय कुमार केवट के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है। थाना प्रभारी कमलेश सांडे ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 5 बजे हसदेव नदी किनारे एक युवक के मृत पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मृतक की पहचान हथनेवरा गांव के वार्ड नंबर 17 निवासी जय कुमार केवट के रूप में की।

शव को बीडीएम अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि जय कुमार केवट शराब पीने का आदी था। आशंका है कि मंगलवार को भी वह शराब पीने के लिए घर से निकला था और वापस नहीं लौटा।

### पीएम रिपोर्ट से साफ होगी मौत की वजह

बुधवार को पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत की असली वजह का पता चल पाएगा। पुलिस रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके बाद आगे की जांच की जाएगी।

### पंच और मूर्तिकार थे जय कुमार

गांव के लोगों ने बताया कि जय कुमार केवट वार्ड नंबर 17 हथनेवरा गांव का पंच होने के साथ एक अच्छे मूर्तिकार भी थे। वे देवी-देवताओं की सुंदर मूर्तियों के साथ रावण के पुतले बनाने में भी माहिर थे।

**त्योहारी सीजन से पहले पुलिस की चेकिंग तेज**

# रायपुर में 14 लोगों पर कार्रवाई, चार आरोपी एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर में त्योहारी सीजन से पहले नॉर्थ जोन पुलिस ने चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में नशीली दवा, अवैध शराब और ऑनलाइन सट्टे के मामलों में कार्रवाई की गई। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में 4 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर 183 नशीली टैबलेट बरामद की हैं।

वहीं अवैध शराब बेचने वाले एक आरोपी और ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले एक व्यक्ति पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों के 8 बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की है। इस तरह नॉर्थ जोन पुलिस ने एक दिन में कुल 14 लोगों के खिलाफ वैधानिक और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

पुलिस के मुताबिक अपराध क्रमांक 469/2026 में 4 आरोपियों के खिलाफ धारा 21(बी) एनडीपीएस एक्ट के

तहत कार्रवाई की गई। आरोपियों के पास से एक यामाहा बाइक में रखी Nitrazepam की 19 पत्तियां मिलीं। इनमें कुल 183 टैबलेट थीं।

उरला थाना क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचते एक आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस ने लोकेश वघेल उर्फ डोंगा के खिलाफ अपराध क्रमांक 470/2026 के तहत धारा 34(2) आबकारी एक्ट में कार्रवाई की है। उसके पास से 33 पाउच देशी शराब बरामद की गई। शराब की कुल मात्रा 5.940 लीटर और कीमत करीब 2,640 रुपए बताई गई है।

खमतराई थाना क्षेत्र में ऑनलाइन सट्टा लिखाने वाले एक आरोपी के खिलाफ भी संबंधित कानून के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए खम्हारडीह में 3, पंडरी में 1, गुढ़ियारी में 3 और खमतराई में 1 व्यक्ति के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

पुलिस का कहना है कि आगामी त्योहारों को देखते हुए नॉर्थ जोन में लगातार पेट्रोलिंग और चेकिंग की जा रही है। नशीले पदार्थ, अवैध शराब, सट्टा और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# साइबर ठगी के लिए किराए पर दिए खाते महिला सहित 6 खाताधारक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** दुर्ग पुलिस द्वारा साइबर ठगी की रकम के लेनदेन में उपयोग किए जा रहे म्यूल बैंक खातों पर लगातार नजर रखी जा रही है। कमीशन के लालच में बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड उपलब्ध कराने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सुपेला पुलिस ने 6 खाता धारकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। इनके खातों की जांच में साइबर ठगी से प्राप्त लाखों रुपये के लेनदेन का तथ्य सामने आया। तकनीकी साक्ष्य, बैंक खातों के विश्लेषण एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर थाना सुपेला एवं एसीसीयू द्वारा आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की गई।

विवेचना के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त खातों को 2,000 से 15,000 तक के कमीशन/प्रतिफल के बदले उपलब्ध कराया गया था। बाद में इन बैंक खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के विभिन्न खातों में अंतरण एवं प्राप्ति के लिए किया गया। बैंक खातों के विश्लेषण में

लाखों रुपये से अधिक की संदिग्ध धनराशि के लेनदेन की जानकारी प्राप्त हुई। प्रकरण में प्राप्त तकनीकी साक्ष्य, बैंक खातों के लेनदेन के विश्लेषण एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 16.09.2026 को थाना सुपेला में 06 संबंधित खाताधारकों के विरुद्ध विधिवत वैधानिक कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि खाताधारकों द्वारा स्वयं के अथवा अन्य व्यक्तियों के बैंक खातों से संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक एवं सिम कार्ड कमीशन/प्रतिफल के लालच में अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए गए थे। आरोपियों द्वारा कमीशन/प्रतिफल प्राप्त करने के उद्देश्य से बैंक खाते एवं उनसे संबंधित पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक तथा सिम कार्ड अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध कराए गए। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित करने एवं उसके लेनदेन को संचालित करने के लिए किया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना सुपेला पुलिस एवं एसीसीयू की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम द्वारा बैंक खातों के लेनदेन का विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों का परीक्षण एवं संबंधित खाताधारकों की पहचान कर प्रकरण में वैधानिक कार्रवाई की गई। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों को सचेत करते हुए कहा है कि किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक अथवा मोबाइल सिम कार्ड उपयोग हेतु उपलब्ध न कराएं।

कमीशन या आर्थिक लाभ के लालच में बैंक खाते की जानकारी अथवा बैंकिंग साधन किसी अन्य व्यक्ति को देना साइबर अपराध में उपयोग का कारण बन सकता है और खाताधारक भी वैधानिक जांच एवं कार्रवाई के दायरे में आ सकता है। यदि आपके बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक अथवा सिम कार्ड का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग किए जाने की जानकारी मिलती है, तो तत्काल संबंधित बैंक एवं नजदीकी पुलिस थाना को सूचना दें तथा साइबर अपराध की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं।

**आरोपियों के नाम**

दिनेश सोना, उम्र 22 वर्ष, हेमन्त कुमार मिश्रा, उम्र 37 वर्ष, मोहम्मद आरिफ, उम्र 30 वर्ष, वीरेन्द्र विश्वकर्मा, उम्र 34 वर्ष, निवासी अखिलेश गुप्ता, उम्र 55 वर्ष, रीना देवी, उम्र उपलब्ध नहीं, निवासी शारदा पारा, छावनी, जिला दुर्ग।

# सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत तीन की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जांजगीर-चांपा।** चांपा में बुधवार को दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। दोनों हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं।

### पहला केस- भारतमाला मार्ग पर रेलिंग से टकराई बाइक

पहला हादसा खिसोरा गांव के पास भारतमाला फोरलेन मार्ग पर हुआ। बिलासपुर से बालको क्षेत्र के ग्राम बुंदेली लौट रहा एक परिवार बाइक से जा रहा था। तभी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी साइड शोल्डर रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दिलीप कोसले (40) और उनकी पत्नी ऊषा कोसले (36) की मौके पर

ही मौत हो गई। उनकी बेटी शिवानी कोसले (16) गंभीर रूप से घायल हो गई है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलौदा भेजा। गंभीर रूप से घायल शिवानी को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है।

### दूसरा केस-पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटी

दूसरा हादसा बुची हरदी गांव के आगे नीलकंठ पेट्रोल पंप के सामने हुआ। पुलिस के मुताबिक, सीमेंट से भरी एक पिकअप बलौदा से पोंडी दल्हा की ओर जा रही थी। अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। पिकअप के पीछे बैठे चारपारा निवासी मनीराम (29) की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में सवार दो अन्य युवक घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस को सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने दोनों घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।


**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालोद (छ.ग.)**

निविदा क्र. 16 / त.शा. (निविदा) / का.अ. / लो.स्वा.यां.खण्ड / 2026 — बालोद, दिनांक : 15-09-2026

**निविदा आमंत्रण सूचना (मैनुअल पद्धति)**

मैनुअल निविदाएं प्रपत्र-एफ में लम्प-सम दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई-रजिस्ट्रेशन कीं **सक्षम श्रेणी** में पंजीकृत ठेकेदारों से मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण :-

| नि.सू.क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत | निविदा प्रपत्र मूल्य | अमानत राशि |
|---|---|---|---|---|
| 16 | विकासखण्ड डौण्डी में स्थित विश्राम गृह में नलकूप खनन का कार्य। | रू. 1.56 लाख | 750/- | 5,000.00 |

**निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :- 05-10-2026 समय सायं 05:00 बजे तक**

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक **15/09/2026** से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते है ।

जी- 262703313/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला-बालोद (छ0ग0)


### कच्ची महुआ शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई 10 लीटर शराब जब्त

**जांजगीर-चांपा।** थाना पामगढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध रूप से बिक्री के लिए कच्ची महुआ शराब अपने पास रखे हुए है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी और संदिग्ध को पकड़कर तलाशी ली। आरोपी रविदास महंत (43), हाल मुकाम पामगढ़, थाना पामगढ़ के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

### 41वां महाराजा चक्रधर समारोह

# रायगढ़ की बेटी विभूति ने दी कथक की भावपूर्ण प्रस्तुति

## रामलीला मैदान, रायगढ़ में 14 सितंबर से 23 सितंबर 2026 तक चलेगा ललित कलाओं की प्रस्तुतियां

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायगढ़।** अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 41वें चक्रधर समारोह–2026 की तीसरी शाम कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति ने सांस्कृतिक संध्या को विशेष बना दिया। रायगढ़ की बेटी कथक नृत्यांगना विभूति शर्मा ने अपनी भावपूर्ण एवं लयबद्ध प्रस्तुति से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। वर्ष 2024 में आयोजित खजुराहो नृत्य महोत्सव के अंतर्गत आयोजित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम में सहभागी बनने का गौरव भी उन्हें प्राप्त हुआ।

विभूति शर्मा रायगढ़, छत्तीसगढ़ की निवासी एवं राष्ट्रीय स्तर की कथक नृत्यांगना हैं। वर्तमान में वे इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से कथक विषय में बी.ए. की शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। नृत्य के प्रति उनका लगाव बचपन से ही रहा है। उन्होंने चक्रधर संगीत महाविद्यालय, रायगढ़ से कथक में छह वर्षीय डिप्लोमा पूर्ण किया है। उनके लिए कथक केवल नृत्य शैली नहीं, बल्कि साधना, संस्कृति और अपनी पहचान से जुड़ा माध्यम है।

विभूति शर्मा ने वर्ष 2020 में आयोजित ऑल इंडिया सोशल डिस्टेंसिंग ऑनलाइन नेशनल डांस प्रतियोगिता में सेमी–क्लासिकल जूनियर वर्ग में हिस्सा लेकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वर्ष 2021 में आयोजित 12वें कटक महोत्सव में कथक समूह के जूनियर वर्ग में भाग लेकर प्रथम स्थान हासिल किया। वर्ष 2022 में आयोजित श्रीकृष्ण कला सांस्कृतिक महोत्सव में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में नृत्य के लिए सम्मान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2024 में आयोजित खजुराहो नृत्य महोत्सव के अंतर्गत आयोजित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड कार्यक्रम में सहभागी बनने का गौरव भी उन्हें प्राप्त हुआ। चक्रधर समारोह–2026 के मंच पर आज उनकी कथक प्रस्तुति ने रायगढ़ की युवा प्रतिभाओं और शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध परंपरा को प्रभावी ढंग से सामने रखा। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनकी प्रस्तुति का उत्साहवर्धन किया।

### छत्तीसगढ़ी गीतों से तीसरी शाम का हुआ आगाज़ : नीलेश जोगी ग्रुप की प्रस्तुति पर झूमे दर्शक

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 41वें चक्रधर समारोह–2026 की तीसरी शाम की शुरुआत नीलेश जोगी म्यूजिकल ग्रुप की संगीतमय प्रस्तुति से हुई। कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों के साथ लोकप्रिय बॉलीवुड गीत भी प्रस्तुत किए। नीलेश जोगी और उनके साथी कलाकारों ने अपनी गायकी और वाद्य यंत्रों से छत्तीसगढ़ी लोकधुनों की मिठास बिखेरी। लोकगीतों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इसके बाद बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुति ने माहौल को और खुशनुमा बना दिया। रामलीला मैदान में मौजूद दर्शक कलाकारों के गीतों पर तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन करते नजर आए।

### इंदौर की युवा कथक नृत्यांगना जयात्रा ने दी मोहक प्रस्तुति

सांस्कृतिक संध्या में इंदौर की युवा कथक नृत्यांगना जयात्रा दवे ने कथक की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति में कथक की पारंपरिक शैली के साथ लय, ताल, भाव–भंगिमा और पद–संचालन का सुंदर मेल देखने को मिला। प्रस्तुति के बाद दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। जयात्रा दवे ने महज ढाई वर्ष की उम्र से नृत्य–साधना शुरू की थी। वे गुरु डॉ. रागिनी मक्कड़ के मार्गदर्शन में नादयोग गुरुकुल में कथक का प्रशिक्षण ले रही हैं। कम उम्र में ही उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई मंचों पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की है। जयात्रा दवे स्वीडन के माल्मो में आयोजित इंटरनेशनल म्यूजिक कॉन्फ्रेंस तथा 12वें चाइना इंटरनेशनल फोक आर्ट्स फेस्टिवल में प्रस्तुति दे चुकी हैं। वे दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स जैसे प्रतिष्ठित मंच से भी जुड़ी रही हैं। उनकी कला–साधना के लिए उन्हें विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। चक्रधर समारोह के मंच पर जयात्रा दवे की प्रस्तुति ने कथक की पारंपरिक नृत्य शैली को दर्शकों के सामने सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया।

# सेवा संकल्प में अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

**एमसीबी।** सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी, सामाजिक जिम्मेदारी और स्वच्छता के संकल्प से जोड़ते हुए कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान आयोजित किया गया। अभियान में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार सहित कलेक्ट्रेट के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया और परिसर की साफ–सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वच्छता अभियान के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू थामकर कलेक्ट्रेट परिसर के विभिन्न हिस्सों में साफ–सफाई की। कार्यालय परिसर में जगह–जगह मौजूद कचरे एवं अनुपयोगी सामग्री को व्यवस्थित रूप से हटाया गया। इस दौरान अधिकारियों–कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान करते हुए यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी अभियान या आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की नियमित जिम्मेदारी है।

अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार ने भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई और अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ मिलकर कलेक्ट्रेट परिसर की साफ–सफाई की। उन्होंने स्वच्छता को दैनिक कार्य व्यवहार का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यालय से कार्य का वातावरण बेहतर होता है और कार्यालय में आने वाले आम नागरिकों के बीच भी सकारात्मक संदेश जाता है।

### स्वच्छता बनेगी नियमित आदत, तभी स्वच्छ रहेगा परिवेश

अभियान के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता को विशेष अवसरों तक सीमित न रखते हुए इसे नियमित आदत और सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कलेक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ–साथ आसपास के परिवेश को भी स्वच्छ रखने पर जोर दिया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस पहल ने 'पहले अपना कार्यस्थल स्वच्छ, फिर स्वच्छ समाज' की भावना को मजबूत किया। अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता की शुरुआत यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्यस्थल और आसपास के परिवेश से करे, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे समाज तक पहुंच सकता है। कलेक्ट्रेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सहभागिता ने सेवा, श्रमदान और स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया।

### श्रमदान के साथ दिया जनभागीदारी का संदेश

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम केवल परिसर की सफाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का संदेश भी दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मिलकर स्वच्छता कार्य में भाग लेते हुए यह संकल्प लिया कि कार्यालय परिसर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

### प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से उमरगांव में उजाला-उपभोक्ता बने 'ऊर्जादाता

**धमतरी।** धमतरी जिले के वनांचल नगरी क्षेत्र का छोटा सा ग्राम उमरगांव अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गया है। यहाँ के निवासी श्री धरमदास मानिकपुरी ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर न केवल अपने घर की बिजली जरूरतें पूरी की हैं, बल्कि अब 'उपभोक्ता से उर्जादाता' बन गए हैं। श्री मानिकपुरी ने अपने घर की छत पर 2 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट लगाया है। योजना के तहत उन्हें केंद्र और राज्य सरकार से 60 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है। कुल एक लाख 40 हजार रुपए की लागत वाले इस प्लांट के लिए उन्होंने केवल 14 हजार रुपए अग्रिम राशि दी, शेष राशि बैंक ऋण के माध्यम से प्राप्त की गई। पहले हर महीने 800 से 1000 रुपए तक का बिजली बिल भरने वाले श्री मानिकपुरी का अब बिल शून्य है। इतना ही नहीं, अतिरिक्त बिजली उत्पादन से उन्हें हर माह आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के आरंभ में ही उन्होंने निश्चय किया था कि वे अपने घर को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएंगे।

# कवर्धा मेडिकल कॉलेज में सत्रारंभ : केवल डिग्री ही मंजिल नहीं, समाज की सेवा का हो संकल्प - विजय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने बड़ा लक्ष्य रखा और डॉक्टर बनने का सपना देखा, लेकिन डॉक्टर बनना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। लक्ष्य केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि निरंतर आगे बढ़ने की यात्रा है। हमारा उद्देश्य केवल डॉक्टर बनना नहीं, बल्कि डॉक्टर बनकर समाज के लिए अच्छा कार्य करना होना चाहिए।

कबीरधाम जिले की चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में आज का दिन ऐतिहासिक बन गया। शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा में प्रथम शैक्षणिक सत्र और प्रथम बैच की पढ़ाई का शुभारंभ हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा और सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं का एप्रॉन, स्टेथोस्कोप, पेन और गुलाब का फुल देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ अपने नए शैक्षणिक जीवन की शुरुआत की। मेडिकल कॉलेज के इतिहास के इस पहले दिन विद्यार्थियों ने अतिथियों के साथ अपने संघर्ष, तैयारी और सपनों को साझा किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जिस परिवार और समाज ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया है, उसके प्रति सेवा का भाव हमेशा बनाए रखना चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने लक्ष्य की तैयारी निरंतर जारी रखें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान अनावश्यक तनाव नहीं होना चाहिए। सफलता किसी एक व्यक्ति का परिणाम नहीं होती, बल्कि परिवार और सभी के संयुक्त प्रयासों से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे डॉक्टर बनने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से कवर्धा में मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार पर कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कहा कि विद्यार्थियों ने कठिन मेहनत के बाद यहां तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की है, लेकिन यह अंत नहीं, बल्कि शुभारंभ है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति डॉक्टर के पास आता है, तो उसके मन में स्वस्थ होने की उम्मीद होती है। इसलिए चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा भाव और संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, पढ़ाई की दिनचर्या, कोचिंग के अनुभव और प्रवेश परीक्षा के बारे में जानकारी ली।

# हलधर श्री बलराम प्रकृति एवं कृषि संस्कृति के प्रतीक

- दलहन, तिलहन एवं प्राकृतिक खेती विषय पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** भारतीय कृषि परंपरा में भगवान श्री बलराम जी का विशेष स्थान है। भगवान बलराम को हल एवं कृषि के प्रतीक के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके हाथों में सुशोभित हल किसान के श्रम धरती से उसके गहरे संबंध और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। भगवान बलराम जयंती किसान के परिश्रम, कृषि के महत्व तथा धरती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है।

इसी भावना को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भगवान बलराम दिवस को प्रदेश में किसान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में भगवान श्री बलराम जयंती–किसान दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में दलहन, तिलहन एवं प्राकृतिक खेती विषय पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम थे। डॉ. गिरिश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय डॉ. आर.आर.बी. सिंह, कुलपति दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय तथा डॉ. रवि रतन सक्सेना, कुलपति महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय शामिल रहे। इसके साथ ही राहुल देव, संचालक कृषि, सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद राजेंद्र नायक, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक सहित कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने भगवान बलराम जी के स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस युग में लोग अस्त्र–शस्त्र के स्थान पर हल और मूसल लेकर चलते थे, वह कृषि एवं श्रम की महत्ता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रकार की फसलों की खेती की जा रही है और प्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती के माध्यम से भूमि की रक्षा की दिशा में भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950